# Govt. J.M.C. Mahila Mahavidyalaya, Mandla, Madhya Pradesh

## AISHE Code: C-33429

Accredited: Grade 'B' by NAAC

Phone: 07642-252536 E-Mail: hegjcgcman@mp.gov.in
Website: https://gjmcgirlscollegemandla.in/

# Syllabi for Department of Sociology

# Index


| Sr. No. | Title | Page No. |
|---|---|---|
| 1 | Syllabus for B.A. First Year Students | 1-21 |
| 2 | Syllabus for B.A. Second Year Students | 22-57 |
| 3 | Syllabus for B.A. Third Year Students | 58-80 |

संशोधित

# सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

| भाग अ - परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : प्रमाण पत्र | कक्षा : बी.ए. | वर्ष : प्रथम वर्ष | सत्र: 2021-22 |
| विषय : समाजशास्त्र | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A1-SOCI 1T | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | भारतीय समाज एवं संस्कृति (प्रश्न पत्र प्रथम) | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स /इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल /.....) | मूल पाठ्यक्रम | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो) | बी.ए प्रथम वर्ष के समस्त छात्रों के लिए | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | इस पाठ्यक्रम से छात्रों को भारतीय समाज की अवधारणा, कार्य और दैनिक जीवन से परिचित कराने की आशा है। यह छात्रों के समक्ष भारतीय समाज का एक व्यापक, एकीकृत और अनुभवजन्य चित्र प्रस्तुत करेगा :<br>1. इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को भारतीय समाज की मूल संरचना के बारे में एक धारणा मिलेगी, इसके ऐतिहासिक आधार, समाज और संस्थानों की बुनियादी दार्शनिक नींव सम्बन्धी अंतर्दृष्टि मिलेगी।<br>2. इस पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थियों में भारतीय परम्पराओं की व्यापक समझ विकसित होगी, जो वर्तमान समय में हमारे समाजीकरण से विलुप्त है।<br>3. इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी भारतीय समाज के तीन स्तर: अरण्यक, लोक (ग्राम्य) और नगर के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त करेंगे।<br>4. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भविष्य में विभिन्न स्थानीय/क्षेत्रीय रोजगार के संसाधनों को चुनने में मदद करेगा। | |
| 6 | क्रेडिट मान | सैद्धांतिक - 6 | |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक: 25+75 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33 |

| भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में) : 6-0-0 कुल व्याख्यान : 90 घंटे | | |
| इकाई | विषय | व्याख्यान की संख्या |
| I | 1. भारतीय समाज | 18 |
| | 1.1 भारतीय समाज के आधार : अरण्यक, लोक (ग्राम्य) एवं नगर | |
| | 1.2 ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि : प्राचीन काल, मध्य काल, आधुनिक काल | |
| | 1.3 वर्ण, आश्रम, पुरूषार्थ | |
| | 1.4 ऋण, यज्ञ, संस्कार | |
| | 1.5 कर्म का सिद्धांत | |
| | 1.6 पारस्परिकता : अरण्यक, लोक (ग्राम्य) और नगर बस्तियां | |
| | 2. जनांकिकीय एवं सांस्कृतिक परिदृश्य | |
| सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: सारबिन्दु - भारतीय समाज, वर्ण व्यवस्था, संस्कार, सामाजिक पारस्परिकता, अरण्यक, लोक (ग्राम्य) नगर | | |

| | | |
|---|---|---|
| II | 1. अरण्यक समाज | 18 |
| | 1.1 जनजाति, ऐतिहासिक रूपरेखा | |
| | 1.2 जनजातीय क्षेत्र एवं वर्गीकरण | |
| | 1.3 सामाजिक संस्थायें : परिवार, विवाह, नातेदारी | |
| | 1.4 जनजातीय धार्मिक विश्वास एवं व्यवहार | |
| | 1.5 सामाजिक मुद्दे | |
| | 1.6 जनजाति : संवैधानिक प्रावधान | |
| सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: सारबिन्दु - भारतीय जनजाति, अनूसूचित जनजाति, संवैधानिक प्रावधान | | |
| III | 1. लोक (ग्राम्य) समाज | 18 |
| | 1.1 लोक (ग्राम्य) समाज : ऐतिहासिक रूपरेखा | |
| | 1.2 ग्रामीण जीवन : लोक संस्कृति, लघु एवं वृहद परम्परायें | |
| | 1.3 जाति व्यवस्था : जाति का इतिहास एवं परिवर्तित प्रतिमान | |
| | 1.4 सामाजिक संस्थायें : परिवार, विवाह, नातेदारी | |
| | 1.5 धर्म: विश्वास एवं व्यवहार | |
| | 1.6 सामाजिक मुद्दे | |
| | 1.7 ग्रामीण विकास : नीतियॉ, कार्यक्रम एवं चुनौतियां | |
| सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: सारबिन्दु - लोक संस्कृति, ग्रामीण विकास, जाति व्यवस्था | | |
| IV | 1. नगर समाज | 18 |
| | 1.1 ऐतिहासिक रूपरेखा, कस्बा, नगर एवं महानगर | |
| | 1.2 भारतीय नगर एवं उनका विकास | |
| | 1.3 नगरीय समाज में परिवर्तन | |
| | 1.4 नगरीय समाज की चुनौतियॉ, वैश्वीकरण | |
| | 1.5 सामाजिक सांस्कृतिक निरंतरता : अरण्यक, लोक एवं नगर | |
| | 1.6 नगर नियोजन एवं प्रबन्धन | |
| सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: सारबिन्दु - कस्बा, नगर, महानगर, नगर नियोजन, नगर प्रबन्धन | | |
| V | 1. सामाजिक मुद्दे | 18 |
| | 1.1 राष्ट्रीय एकीकरण मुद्दे एवं चुनौतियॉ | |
| | 1.2 भारतीय परिवार व्यवस्था : मूल्य प्रतिमान मुद्दे | |
| | 1.3 बालक, युवा एवं बुजुर्गों के मुद्दे | |
| सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: सारबिन्दु - राष्ट्रीय एकीकरण, युवा, वृद्ध, पीढी संघर्ष | | |

| भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन |
| --- |
| पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन |

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

Suggested Readings:


1- MacIver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) Society: An Introductory Analysis, New York.
2- Horton Paul B. Chester L.Hunt (2004) Sociology, Tata Mc Graw-Hill, New Delhi.
3- Bierstadt, Robert (1974) The Social Order, Mc Graw-Hill, New York.
4- Betelle Andre (1965) Caste Class & Power, California University, Berkcley.
5- Ghurye G.S. (1961) Caste, Class & occupation, Popular Book Depot., Bombay.
6- Béteille, André, (1985) Six Essays in Comparative Sociology, Oxford University Press, New Delhi.
7- Chauhan, B.R. (2018) Indian Village, Rawat Publication, Jaipur.
8- Behera MC (2019) Tribal Language Literature and Folklore, Rawat Publication, Jaipur.
9- Marriott McKim (2017) Village India: Studies in the Little Community, Rawat Publication Jaipur.
10- Indra Deva (2018) Society and Culture in India, Rawat Publication, Jaipur.
11- Muncher, J. (1991). The Caste System Upside Down. In D. Gupta (Ed.), Social Stratification , Oxford University Press, New Delhi.
12- Giddens, A. (2006). Sociology (5th ed.). Oxford University Press. London
13- Radcliffe-Brown, A.R. (1976). Structure and Function in Primitive Society, Cohen and West, London. 14- Goode, William J., (1977). Principles of Sociology. McGraw Hill, America.
15- Mishra Preeti, (2006) Domestic Violence Against Women, Deep & Deep Publication, New Delhi.
16. Sharma, Y.K. (2007) Indian Society: Issues & Problems, Laxmi Narayan Agarawal, Agra.
17. देसाई ए.आर. (2009) भारतीय ग्रामीण समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।
18. महाजन, धर्मवीर एवं कमलेश (2015) जनजातीय समाज का समाजशास्त्र, विवेक प्रकाशन,नई दिल्ली।
19. उप्रेती, हरिश्चन्द्र (1995) भारतीय जनजातियां , राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी,जयपुर
20. दीक्षित, ध्रुव कुमार (2010) नगरीय समाजशास्त्रं, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर
21. सिंह बी.एन. (2015) नगरीय समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन, जयपुर
22. बघेल. डी.एस. (2019) नगरीय समाजशास्त्र, कैलास बुक सदन, भोपाल
23. बोस, निर्मल कुमार (2013) भारत का ग्रामीण जीवनः एकता और विविधता, रावत पब्लिकेशन जयपुर


2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

**Indian Tribes:**

https://www.google.com/search?q=Indian+Tribes+prospectus&oq=indian+tribes&aqs=chrome.1.69i5912j69i57j014j69i60.9261j07&sourceid=chrome&ie=UTF-8

https://tribal.nic.in/scholarship.aspx

**Indian Society:**

http://sdeuoc.ac.in/sites/default/files/sde_videos/II%20Sem.%20-%20Socio%20-%20Indian%20Society%202019%20Admn.%281%29.pdf

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

इग्नू और अन्य केंद्र/राज्य संचालित विश्वविद्यालय

भारत और विदेश में "SWAYAM" जैसे MOOC प्लेटफॉर्म।

| भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां: | | |
|---|---|---|

**अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

| | | |
|---|---|---|
| आंतरिक मूल्यांकन:<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 15<br>10<br>कुल अंक **:25** |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा:<br>समय- 02.00 घंटे | अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक **50** शब्द)<br>अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक **200**शब्द)<br>अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक **500** शब्द) | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30<br>कुल अंक **75** |

कोई टिप्पणी/सुझाव:

## Part(A)Introduction

| Programme : Certificate Course | Class : B.A I$^{st}$ Year | Year : First | Session : 2021-2022 |
|---|---|---|---|
| **Subject: SOCIOLOGY** | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | **Course Code** | A1-SOCI2T | |
| 02 | **Course Title** | **Indian Society and CultureI [illegible] paper** | |
| 03 | **Course Type** | CoreCourse | |
| 04 | **Pre-requisite** | **OpenforallB.A1$^{st}$yearstudents.** | |
| 05 | **Course Learning Outcomes (CLO)** | This paper is expected to bring familiarity among student about Indian society. It will present a comprehensive, integrated and empirical profile of Indian society. It is supposed that the structure and processes operative in the society, the changing agents operating in Indian society presented in this paper will also enable students to gain a better understanding of their own situation and region.<br>1. Get an impression about the basic composition of Indian society, its historical moorings, basic philosophical foundations of the society and the in stitutions.<br>2. The student will have extensive comprehension of Indian traditions and the opportunity to explore and express them.<br>3. They will also learn in detail about the threelayers of Indian society: namely "Aranyak, Lok (Gramya) and Nagar"<br>4. After reading this course the student will beable to understand and strengthen local/regional employment avenues. | |
| 06 | **Credit Value** | Theory-6 | |
| 07 | **Total Marks** | Maximum Marks : 25+75 | Minimum Passing Marks : 33 |

Scanned with CamScanner

## Part B – Content of the Course

| Total No. of Lectures (in hours per week) : 6 hours per week<br>Total Lectures : 90 hours. | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Topics** | **Number of Lectures** |
| I | **1. Indian Society :**<br><br>1.1 Foundations of Indian Society: Aranyak, Lok (Gramya) & Nagar.<br>1.2 Historical Background: Ancient, Medieval, Modern Period<br>1.3 Varna Ashram, Purushartha.<br>1.4 Rina, Yagya, Sanskar<br>1.5 Doctrine of Kanna.<br>1.6 Reciprocity: Aranyak, Lok (Gramya) and Nagar settlements<br><br>**2. Demographic and Cultural Scenario.**<br><br>**Key words** –Indian society; Vurna system, Sanskar, Socialreciprocity,Aranyak, Lok (Gramya), Nagar. | 18 |
| II | **Aranyak Society :**<br><br>1.1 Tribes Historical outline<br>1.3 Tribal Area and Classification.<br>1.4 Social institutions: Family, Marriage, Kinship.<br>1.5 Tribal Religious Beliefs and Practices<br>1.6 Social Issues<br>1.7 Tribes: Constitutional Provisions.<br><br>**Keywords** – Indian Tribes, Schedule Tribes, Constitutional Provisions. | 18 |
| III | **Lok (Gramya) Society:**<br><br>1.1 Lok (Gramya) Society: Historical Outline<br>1.2 Rural Life: Folk Culture, Little and Great Traditions.<br>1.3 Caste System: History of Caste and Changing patterns.<br>1.4 Social Institutions: Family, Marriage, Kinship.<br>1.5 Religion: Beliefs and Practices;<br>1.6 Social Issues.<br>1.7 Rural Development : Policies, Programs and Challenges.<br><br>**Keywords**–*Folk Culture, Rural Development, Caste System.* | 18 |

Scanned with CamScanner

| | | |
|---|---|---|
| √ | **Nagar Society:**<br><br>1.1 Historical out line of Town, City & Metropolis.<br>1.2 Indian Cities and their Development,<br>1.3 Changes in Urban Society<br>1.4 Challenges of Urban Societies, Globalisation.<br>1.5 Socio - Cultural Continuities: Aranayak, Lok and Nagar<br>1.6 Urban Planning and Management<br><br>Key words - Town, City, Metropolitan, Urban Planning, Urban Management. | 18 |
| V | **Social Issues:**<br><br>1.1 National Integration issues and Challenges<br>1.2 Indian Family System: Values, Patterns and Issues<br>1.3 Issues of Children, Youth and Elderly.<br><br>Keywords - National Integration, Youth, Generational Conflict. | 18 |

**Part C– Learning Resources**

Text books, Reference Books, Other resources

Scanned with CamScanner

## Suggested Readings :

1 Beteille Andre (1965) Caste Class & Power, California University, Berkeley

2 Ghurye G.S.(1961) Caste, Class& occupation, Popular Book Depot., Bombay.

3 Béteille, André, (1985) Six Essays in Comparative Sociology,Oxford University Press, New Delhi.

4 Chauhan,B.R.(2018) Indian Village, Rawat Publication, Jaipur.

5 Behera MC (2019) Tribal Language Literature and Folklore,Rawat Publication, Jaipur.

6 Marriott Mc Kim (2017) Village India: Studies in the Little Community, Rawat Publication Jaipur.

7 Indra Deva (2018) Society and culture in India, Rawat Publication, Jaipur.

8 Muncher,J.(1991).TheCasteSystemUpsideDown.InD.Gupta(Ed.).SocialStratification. Oxford University Press, New Delhi.

9 Giddens, A.(2006). Sociology(5thed.).Oxford University Press.London.

10 Radcliffe-Brown.A.R.(1976).Structure and Function in Primitive Society, Cohen and West, London.

11 Goode, WilliamJ..(1977).PrinciplesofSociology, McGraw Hill.America.

12 Sharma.Y.K.(2007)IndianSociety:Issues &Problems.LaxmiNarayanAgarawal.Agra.

13 Desai, A.R. (2009) भारतीयग्रामीणसमाजशास्त्र,रावतपब्लिकेशन,जयपुर।

14 महाजन,धर्मवीरएवंकमलेश (2015) जनजातीयसमाजकासमाजशास्त्र,विवेकप्रकाशन,नईदिल्ली।

15 Kosambi, D.D. (1990) Prachin Bharat Ki Sanskriti or Sabhyata, Raj Kamal Pub. Pvt. Ltd. Allahbad.

16 Tiwari, K.K. (2019) Madhyawarti Bharat Jan Sanskritika Bhartiya Drishtikon, DuttopanthThengeriSodhSansthan, Bhopal.

17 Mukhrejee, RadhaKumudh: (1990) Hindu Sabhayata, Raj KamalPrakashan Pub Pvt Ltd, Delhi

18 Bashain, A. L. (1975). A Cultural History of India, New Delhi, Oxford

19 Singla, R. G. BhartiyaSamaj, Hindi Granth Academy, Bhopal.

20 Aanbedkar, B.R. Castes In India, Their Mechanism, Genesis and Development Indian Antiquary Vol. XLVI (May 1997)

21 उप्रेती, हरिश्चन्द्र) 1995) भारतीयजनजातियाँ, राजस्थानहिन्दीग्रंथअकादमी, जयपुर।

22 दीक्षितध्रुवकुमार) 2010) नगरीयसमाजशास्त्र, रिसर्चपब्लिकेशन, जयपुर

23 सिंह्वी.एन) .2015) नगरीयसमाजशास्त्र, रावतपब्लिकेशन, जयपुर।

24 बघेलडी .एस) .2019) नगरीयसमाजशास्त्र, कैलाशबुकसदन, भोपाल।

25 बोस .निर्मलकुमार) 2013) भारतकाग्रामीणजीवन : एकताऔरविविधता, रावतपब्लिकेशन, जयपुर।


Scanned with CamScanner

**Suggestive digital platforms web links**

**Indian Tribes:**
https://www.google.com/search?q=Indian+Tribes+prospectus&oq=indian+tribes&aqs=chrome.1.69i59l2j69i57j0l4j69i60.9261j0j7&sourceid=chrome&ie=UTF-8

**https://tribal.nic.in/ScholarshiP.aspx**

**Indian Society:**
http://sdeuoc.ac.in/sites/default/files/sde_videos/II%20Sem.%20-%20Socio%20-%20Indian%20Society%202019%20Admn.%281%29.pdf

**Suggested equivalent online courses :**

IGNOU & Other centrally/state operated Universities MOOC platformssuchas"SWAYAM" in India and Abroad.

## Part D : Assessment and Evaluation (Theory)

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25

University Exam (UE): 75

Time: **02.00Hours**

| | | |
|---|---|---|
| **InternalAssessment :** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | ClassTest | 15 |
| | Assignment/Presentation | 10 |
| | Total | 25 |
| **External Assessment :** University Exam | Section (A): Three Very Short Questions (50WordsEach) | 03x03=09 |
| | Section(B):Four Short Questions (200Words Each) | 04x09=36 |
| | Section (C): Two Long Questions (500Words Each) | 02x15=30 |

Scanned with CamScanner

| भाग अ - परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : प्रमाण पत्र | कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष | वर्ष : 2021 | सत्र : 2021-22 |
| विषय : समाजशास्त्र | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A1- SOC12T | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएं - प्रश्न पत्र -2 | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....) | मूल (कोर कोर्स) पाठ्यक्रम | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो) | बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेशित सभी विद्यार्थियों के लिए यह एक चयनित विषय है। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | 1. इस पाठयक्रम में समाजशास्त्र की सभी प्रमुख अवधारणाओं को शामिल किया गया है , जो विध्यार्थियों को सामान्य ज्ञान और समाजशास्त्रीय ज्ञान के बीच अंतर करने के लिए गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करने में सक्षम बनाता है।<br>2. समाज, सामाजिक समूहों, सामाजिक संरचना, सामाजिक संस्था आदि की वैचारिक शिक्षा विद्यार्थियों को उनके दैनिक जीवन में मदद करेगी।<br>3. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को शासकीय ,कार्पोरेट,गैर सरकारी संगठन एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी मिलेगी।<br>4. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक करने के साथ साथ उनके व्यक्तित्व विकास मे सहायक होगा .<br>5. परिवार, विवाह, नातेदारी जैसी भारतीय सामाजिक संस्थाओं की अवधारणा का अध्ययन छात्रों को कई सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में सक्षम बनाएगी।<br>6. सांस्कृतिक विलम्बना के सिद्धांत का अध्ययन छात्रों को पीढीगत अंतर के संघर्ष को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा और इस संघर्ष को कम करने में सहायता करेगा।<br>7. संस्कृति, समाजीकरण और सभ्यता की शिक्षा छात्रों को समाजिकरण की नई एजेन्सीयों से परिचित कराएगी और उनके व्यक्तित्व के विकास में सहायक होगी। | |
| 6 | क्रेडिट मान | सैद्धांतिक – 6 | |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक: 25 सीसीई +75 विप | न्यूनतम उत्तीर्णांक : 33 |

<table>
<tr><th colspan="3">भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु</th></tr>
<tr><td colspan="3">व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): 6-0-0</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td>विषय</td><td>व्याख्यान की संख्या</td></tr>
<tr><td>प्रथम</td><td>समाजशास्त्र का उदय -<br>1. भारतीय चिन्तन की परम्परा<br>2. समाजशास्त्र -<br>2.1 अर्थ<br>2.2 अध्ययन क्षेत्र<br>2.3 विषय वस्तु<br>2.4 महत्व<br>3. समाजशास्त्र की उत्पत्ति एवं विकास<br>(मध्यप्रदेश के विशेष सन्दर्भ सहित)<br>4. एक विज्ञान के रूप में समाजशास्त्र<br>5. समाजशास्त्र में मानवतावादी उन्मुखीकरण<br>6. अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध<br>7. समाजशास्त्र और व्यवसाय</td><td>18</td></tr>
<tr><td colspan="3">सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: भारतीय चिन्तन की परम्परा, समाजशास्त्र का उदय, समाजशास्त्र का विकास, समाजशास्त्र में मानवतावादी उन्मुखीकरण, समाजशास्त्र में व्यवसाय के अवसर</td></tr>
<tr><td>द्वितीय</td><td>मूलभूत अवधारणाऐं -<br>1. समाज<br>2. व्यक्ति एवं समाज के मध्य संबंध<br>3. समुदाय<br>4. समिति<br>5. संस्था<br>6. सामाजिक समूह<br>7. सामाजिक संरचना एवं प्रकार्य<br>8. प्रस्थिति एवं भूमिका</td><td>18</td></tr>
<tr><td colspan="3">सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: व्यक्ति और समाज के मध्य संबंध, सामाजिक संरचना,सामाजिक समूह, सामाजिक स्थिति, समाजशास्त्र में समिति</td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| तृतीय | सामाजिक संगठन एवं संस्थाऐं -<br>(अवधारणा, उदभव , विकास, स्वरूप एवं चुनौतियां)<br>1. सामाजिक संगठन<br>2. सामाजिक व्यवस्था<br>3. परिवार<br>4. नातेदारी<br>5. विवाह<br>6. जाति,वर्ग एवं शक्ति<br>7. शिक्षा | 18 |
| **सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:** सामाजिक संगठन, सामाजिक व्यवस्था, सामाजिक संस्था, जाति एवं वर्ग, नातेदारी | | |
| चतुर्थ | सामाजिक सांस्कृतिक प्रक्रियाऐं -<br>1. संस्कृति -<br>1.1 अर्थ<br>1.2 विशेषताऐं<br>1.3 प्रकार<br>1.4 संस्कृति के उपादान<br>1.5 सांस्कृतिक विलम्बना<br>1.6 संस्कृति एवं सभ्यता<br>2. समाजीकरण -<br>2.1 अर्थ<br>2.2 विशेषताऐं<br>2.3 सौपान<br>2.4 अभिकरण<br>2.5 प्रकार<br>2.6 महत्व<br>3. सामाजिक प्रक्रियाऐं -<br>3.1 सहयोग<br>3.2 व्यवस्थापन<br>3.3 प्रतिस्पर्धा<br>3.4 संघर्ष | 18 |
| **सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:** संस्कृति, सामाजिक प्रक्रिया, सांस्कृतिक विलम्बना, सभ्यता,सामाजिकरण | | |

| | | |
|---|---|---|
| पंचम | सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन –<br>1. समाजीकरण नियंत्रण -<br>1.1 अर्थ<br>1.2 विशेषताऐं<br>1.3 प्रकार<br>1.4 सामाजिक नियंत्रण के साधन<br>2. सामाजिक स्तरीकरण -<br>2.1 अर्थ,<br>2.2 विशेषताऐं<br>2.3 आधार<br>2.4 स्वरूप<br>3. सामाजिक गतिशीलता -<br>3.1 अर्थ<br>3.2 विशेषताऐं<br>3.3 प्रकार<br>4. सामाजिक परिवर्तन -<br>4.1 अर्थ<br>4.2 विशेषताऐं<br>4.3 सामाजिक परिवर्तन के कारक<br>4.4 सामाजिक परिवर्तन के प्रतिमान | 18 |

**सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:** सामाजिक नियंत्रण, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक स्तरीकरण, सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक परिवर्तन के प्रतिमान

**भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:**


1- MacIver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) *Society*: *An Introductory Analysis*, New York.
2- Beteille Andre (1965) *Caste Class & Power*, California University, Berkcley.
3- Ghurye GS (1961) *Caste, Class & occupation*, Popular Book Depot., Bombay.
4- Ogburn & Nimkoff (1947) Hand Book of *Sociology*, K.PAUL, Trench, Prebner and Comp.Ltd. London.
5- Giddens, A. (2006). *Sociology* (5th ed.). Oxford University Press. London
6- Horton and Hunt. (1964) *Sociology - The Discipline and its Dimensions*: New Central Book Agency, Calcutta.

7- Johnson, Harry M.. (1988) *Sociology - A Systematic Introduction*. Allied Publishers Pvt. Ltd,New Delhi.
8- Inkeles Alex, (1977) What is Sociology- Prentice-Hall of India, Pvt. Ltd., New Delhi.
9- Shankar Rao C.N. ( 2019) Sociology- S Chand and company Ltd, New Delhi
10- Shankar Rao C.N. ( 2018) Sociology of Indian society - S Chand and company Ltd, New Delhi
11- Pandey Vinita (2016) Indian society and culture, Rawat Publication, Jaipur.
12- Bhushan Vidya and Sachdeva D.R. (2000) Kitab Mahal, Allahabad.
13- दुबे श्यामाचरण (1993) मानव और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली.
14- आहूजा राम (2008) समाजशास्त्र विवेचना और परिप्रेक्ष्य, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
15- अग्रवाल जी.के. (2018) समाजशास्त्र की मूल अवधारणाऐं, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा.
16- सिंह जे.पी. (2019) समाजशास्त्र अवधारणायें एवं सिद्धान्त, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
17- बघेल डी.एस. (2020) समाजशास्त्र, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.
18- पाटिल अशोक डी. एवं भदौरिया एस.एस. ( 2015) समाजशास्त्र परिचय, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी , भोपाल.
19- सचदेवा डी. आर (2005) समाजशास्त्र के सिद्धान्त, किताब महल, इलाहबाद.

**अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक**

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

**अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:**

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

**भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:**

**अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

| | | |
|---|---|---|
| **आंतरिक मूल्यांकन:**<br>**सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE): | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 15<br>10<br>**कुल अंक :25** |
| **आकलन :**<br>**विश्वविद्यालयीन परीक्षा:**<br>समय- 02.00 घंटे | **अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक50 शब्द)**<br>**अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक200शब्द)**<br>**अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक500 शब्द)** | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30<br>**कुल अंक 75** |

कोई टिप्पणी/सुझाव:

| Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program : Certificate Course | Class : B.A. 1st year | Year : 2021 | Session : 2021-2022 |
| Subject: Sociology | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | **Course Code** | A1-SOCI2T | |
| 2 | **Course Title** | **Basic Concepts of Sociology (Paper II)** | |
| 3 | **Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)** | Core Course | |
| 4 | **Pre-requisite (if any)** | This is an elective paper open for all B.A 1st year students. | |
| 5 | **Course Learning outcomes (CLO)** | 1. The course is designed to incorporate all the key concepts of Sociology which would enable the learner to develop keen insight to distinguish between the commonsense knowledge and Sociological knowledge.<br>2. The conceptual learning of Society, Social groups, Social structure, Social institution etc, will help students in their day to day living.<br>3. By studying this paper students will get information about various employment opportunities in government, corporate, N.G.O. and self employment sector.<br>4. This paper gives students an awareness of cultural differences and provides them with opportunity to enhance their cultural sensitivity.<br>5. The concepts of Indian social institutions, such as, family, Marriage, Kinship will enable students to consider their roles in solving many social problems.<br>6.The theory of cultural lag will make students better understand the conflict of generational gap and minimize it in due course.<br>7. Teaching of culture, socialization and civilization will emphasise not only the new agencies of socialization but also their significance in personality development. | |
| 6 | **Credit Value** | Theory – 6 | |
| 7 | **Total Marks** | Max. Marks: 25+75 | Min. Passing Marks:33 |

| Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| **Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6 hours per week**<br>**L-T-P: 6-0-0** | | |
| **Unit** | **Topics** | **No. of Lectures** |
| I | **Emergence of Sociology :**<br>1. Tradition of Indian Thinking<br>2. Sociology<br>2.1 Meaning<br>2.2 Scope<br>2.3 Subject Matter<br>2.4 Importance<br>3. Origin and Development of Sociology<br>(Including Special Reference to Madhya Pradesh)<br>4. Sociology as a Science<br>5. Humanistic Orientation in Sociology<br>6. Relationship with other Social Sciences<br>7. Sociology and Professions | 18 |
| **Keywords/Tags:** | Tradition of Indian Thinking, Emergence of Sociology, Development of Sociology, Humanistic Orientation in Sociology, Professions in Sociology | |
| II | **Basic Concepts :**<br>1. Society<br>2. Relation between Individual and Society<br>3. Community<br>4. Association<br>5. Institution<br>6. Social Group<br>7. Social Structure and Function<br>8. Status and Role | 18 |
| **Keywords/Tags:** | Relation between Individual and Society ,Social Structure, Social Group , Social Status, Association in Sociology | |
| III | **Social Organization and Institutions:**<br>(Concept, Emergence, Development, Forms and Challenges)<br>1. Social Organization<br>2. Social System<br>3. Family | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 4. Kinship<br>5. Marriage<br>6. Caste, Class and Power<br>7. Education | |
| **Keywords/Tags:** Social Organization, Social System, Social Institution, Class, Kinship | | |
| IV | **Socio-Cultural Processes :**<br>1.Culture<br>1.1 Meaning<br>1.2 Characteristics<br>1.3 Types<br>1.4 Components of Culture,<br>1.5 Cultural lag<br>1.6 Culture and Civilization<br>2. Socialization<br>2.1 Meaning<br>2.2 Characteristics<br>2.3 Stages<br>2.4 Agencies<br>2.5 Types<br>2.6 Importance<br>3. Social Processes<br>3.1 Cooperation<br>3.2 Accommodation<br>3.3 Competition,<br>3.4 Conflict | 18 |
| **Keywords/Tags:** Culture, Social Process, Cultural lag, Civilization, Socialization | | |
| V | **Social Control and Change :**<br>1. Social Control<br>1.1 Meaning<br>1.2 Characteristics<br>1.3 Types<br>1.4 Means of Social Control<br>2. Social Stratification<br>2.1 Meaning<br>2.2 Characteristics | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.3 Bases<br>2.4 Forms<br>3. Social Mobility<br>3.1 Meaning<br>3.2 Characteristics<br>3.3 Types<br>4. Social change<br>4.1 Meaning<br>4.2 Characteristics<br>4.3 Factors of social change<br>4.4 Patterns of social change | |
| **Keywords/Tags:** Social Control, Social Change, Social Stratification, Social Mobility, Patterns of social change | | |

**Part C-Learning Resources**

**Text Books, Reference Books, Other resources**

**Suggested Readings:**


1- MacIver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) *Society: An Introductory Analysis*, New York.
2- Beteille Andre (1965) *Caste Class & Power*, California University, Berkcley.
3- Ghurye GS (1961) *Caste, Class & occupation*, Popular Book Depot., Bombay.
4- Ogburn & Nimkoff (1947) Hand Book of *Sociology*, K.PAUL, Trench, Prebner and Comp.Ltd. London.
5- Giddens, A. (2006). *Sociology* (5th ed.). Oxford University Press. London
6- Horton and Hunt. (1964) *Sociology - The Discipline and its Dimensions*: New Central Book Agency, Calcutta.
7- Johnson, Harry M.. (1988) *Sociology - A Systematic Introduction*. Allied Publishers Pvt. Ltd,New Delhi.
8- Inkeles Alex, (1977) What is Sociology- Prentice-Hall of India, Pvt. Ltd., New Delhi.
9- Shankar Rao C.N. ( 2019) Sociology- S Chand and company Ltd, New Delhi
10- Shankar Rao C.N. ( 2018) Sociology of Indian society - S Chand and company Ltd, New Delhi
11- Pandey Vinita (2016) Indian society and culture, Rawat Publication, Jaipur.
12- Bhushan Vidya and Sachdeva D.R. (2000) Kitab Mahal, Allahabad.
13- दुबे श्यामाचरण (1993) मानव और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली.
14- आहूजा राम (2008) समाजशास्त्र विवेचना और परिप्रेक्ष्य, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
15- अग्रवाल जी.के. (2018) समाजशास्त्र की मूल अवधारणाऐं, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा.
16- सिंह जे.पी. (2019) समाजशास्त्र अवधारणायें एवं सिद्धान्त, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
17- बघेल डी.एस. (2020) समाजशास्त्र, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.
18- पाटिल अशोक डी. एवं भदौरिया एस.एस. (2015) समाजशास्त्र परिचय, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल.
19- सचदेवा डी. आर (2005) समाजशास्त्र के सिद्धान्त, किताब महल, इलाहबाद.


Suggestive digital platforms web links
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

**Suggested equivalent online courses:**
IGNOU & Other centrally/state operated Universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

**Part D-Assessment and Evaluation**

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**
Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

| **Internal Assessment :** | Class Test | 15 |
|---|---|---|
| Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25 | Assignment/Presentation | 10 |

| | | |
|---|---|---|
| **External Assessment :**<br>University Exam Section: 75<br>Time : 02.00 Hours | **Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each)<br>**Section (B) :** Four Short Questions (200 Words Each)<br>**Section (C) :** Two Long Questions (500 Words Each) | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30 Total 75 |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **Part A Introduction** | | | |
| **Program : Diploma Course** | **Class : B.A. II Year** | **Year :** SECOND | **Session: 2022-2023** |
| **Subject : Sociology** | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | **Course Code** | A2 - SOCI 1T | |
| 2 | **Course Title** | **Basic Concepts of Social Research, Paper- I** | |
| 3 | **Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)** | **Core Course** | |
| 4 | **Pre-requisite (if any)** | This is a compulsory paper for all B.A. II year students, who had core papers of Sociology in B.A. I Year. | |
| 5 | **Course Learning outcomes (CLO)** | This paper will help in developing research insight among the students. They will learn about the nature of scientific method and the way to attain value neutrality.<br>1. It will teach students about the importance of reality and the ways to obtain objective and reliable information.<br>2. It will develop reading, writing and reasoning skills among the students.<br>3. This paper is designed to acquaint students with scientific ways of studying social phenomena.<br>4. The students, well versed with this course will have many jobs opportunities in academic, fundamental and policy research projects undertaken both by the government and non-government agencies. | |
| 6 | **Credit Value** | **Theory –6** | |
| 7 | **Total Marks** | Max. Marks: 30+70 | Min. Passing Marks:33 |

| Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| **Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):6 hours per week L-T-P:6-0-0** | | |
| **Unit** | **Topics** | **No. of Lectures** |
| I | **Social Research and Survey**<br>1. Emergence of Social Research in India<br><br>2. Concept of Scientific Method<br><br>3. Interdisciplinary Approach<br><br>4. Social Research<br>4.1 Concept and Objectives<br>4.2 Types<br>4.3 Importance<br>4.4 Steps of Social Research<br><br>5. Social Survey<br>5.1 Concept<br>5.2 Types<br>5.3 Difference Between Social Research and Social Survey<br><br>6. Hypothesis<br>6.1 Concept<br>6.2 Sources of Hypothesis<br>6.3 Problems in Formulation of Hypothesis<br>6.4 Importance<br><br>7. Major Social Research and Social Survey Institutes in India<br><br>7.1 New Dimensions of Social Research | |
| **Key Words:** Social Research, Scientific Method, Social Survey, Hypothesis, Interdisciplinary Approach l, New Dimensions | | |
| II | **Sources and Techniques of Data Collection**<br>1. Data<br>1.1 Concept<br>1.2 Types<br>1.3 Sources : Primary and Secondary<br>2. Methods and Techniques of Data Collection<br>2.1 Census Method : Concept<br>2.2 Sampling Method<br>2.2.1 Concept | |

<table>
<tr><td></td><td>2.2.2 Types of Sampling<br>2.2.3 Utility and Limitations<br><br>3. Questionnaire<br>3.1 Concept<br>3.2 Types<br>3.3 Formulation of Questionnaire Utility and Limitations<br>4. Schedule<br>4.1 Concept<br>4.2 Types<br>4.3 Utility and Limitations<br>4.4 Difference Between Questionnaire and Schedule</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">Key Words: Data, Census Method, Sampling, Questionnaire, Interview Schedule.</td></tr>
<tr><td>III</td><td>Methods and Techniques of Data Collection<br>1. Observation<br>1.1 Concept<br>1.2 Types<br>1.3 Utility and Limitations<br>2. Interview<br>2.1 Concept<br>2.2 Types<br>2.3 Utility and Limitations<br>3. Case Study Method<br>3.1 Concept<br>3.2 Basic Assumptions<br>3.3 Tools and Techniques of Case Study Method<br>3.4 Utility and Limitations<br>4. Sociometry<br>4.1 Concept<br>4.2 History<br>4.3 Utility and Limitations<br>5. Content Analysis<br>5.1 Concept</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">Key Words: Observation, Interview, Case Study, Sociometry, Content Analysis.</td></tr>
<tr><td>IV</td><td>Analysis and Interpretation of Data<br>1. Concept of Objectivity, Reliability and Validity<br>2. Concept of Editing, Coding and Classification<br>3. Tabulation<br>3.1 Concept<br>3.2 Rules of Tabulation</td><td></td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| | 3.3 Types of Tabulation Utility and Limitations<br>4. Report Writing<br>4.1 Concept<br>4.2 Content and Steps of Report Writing<br>4.3 Problems of Report writing<br>4. Importance | |
| **Key Words:** Objectivity, Reliability, Validity, Coding, Classification, Tabulation, Report writing . | | |
| V | **Use of Statistics in Social Research**<br>1. Concept of Statistics<br>2. Utility and Limitations of Statistics in Social Research<br>3. Measures of Central Tendency<br>3.1 Concept<br>3.2 Importance<br>4. Mean, Median and Mode<br>4.1 Concept<br>4.2 Calculation<br>4.3 Practical Usage<br>4.4 Merits and Demerits<br>5. Diagrammatic Presentation<br>5.1 Rules of Making Diagram<br>5 2 Types of Diagrams<br>5.3 Utility and Limitations of Diagrams<br>6. Use of Computer in Social Research<br>7. SPSS An Introduction | |
| **Key Words :** Statistics, Diagrams, Mean, Median, Mode, SPSS | | |

| **Part C-Learning Resources** |
|---|
| **Text Books, Reference Books, Other resources** |

**Suggested Readings:**


1. Bajpai, S.R., Social Research and Survey, (4th Edition), Kitab Ghar, New Delhi, India
2. Bhandarkar, P.L. and Wilkinson,T.S. (2003) Methodology and Techniques of Social Research, Himalaya Publishing House, Mumbai, Indian
3. Goode,W.J. and Hatt, P.K.(2006) Methods in Social Research, Surjeet Publications, New Delhi, India
4. Kothari, C.R., (2009) Research Methodology, Methods and Techniques, 2nd Revised Edition by New Age International pvt.Ltd., Daryaganj, New Delhi, India
5. Lundberg, George, (1951) Social Research, Green and Company New York, USA
6. Nehru, R.S.S. and Suryanarayan, N.V.S., (2012) Research Methodology, APH Publishing

   CI corporation, Delhi, Indi
7. Saravanavel, P.,(1987) Research Methodology, Kitab Mahal, Allahabad , India
8. Singh , Jaspal,(1994) Introduction to Methods of Social Research, Sterling Publications, New Delhi, India
9. Young, P.V.,(1968) Scientific Social Survey and Research, Printice Hall Publication, New Delhi, India

10. आहूजा, राम, (2005) रिसर्च मेथड्स, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर

11. बघेल, डी.एस., सामाजिक अनुसंधान, साहित्य पब्लिकेशन्स, आगरा

12. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा, डी.डी.,(2007) समाजशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

13. मुकर्जी, रवींद्रनाथ,(1978) सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, सरस्वती सदन, दिल्ली

14. मुकर्जी,रवींद्रनाथ(2019) सामाजिक शोध व सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन 7यू. ए.जवाहर नगर नई दिल्ली

15. राव, सी .एन., शंकर,(2005) समाजशास्त्र, एस. चाँद एंड कंपनी, नई दिल्ली

16. सिंह, श्याम धर (1984) सामाजिक अनुसंधान, कमल प्रकाशन इंदौर

17. सिंह, सुरेंद्र (1975) सामाजिक अनुसंधान, उत्तर प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी

18. शर्मा, वीरेंद्र कुमार (2013) रिसर्च मैथ्योडोलाजी, पंचशील प्रकाशन,जयपुर

**Suggestive digital platforms web links :**

**https://tourism.mp.gov.in/**
**https://www.india.gov.in/topics/travel-tourism**
**https://www.iittm.ac.in/**

**Suggested equivalent online courses :**
IGNOU & Other centrally/state operated Universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad

**Part D-Assessment and Evaluation**

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**

Maximum Marks: 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 30marks University Exam (UE) 70 marks

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment:**<br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30 | Class Test Assignment/Presentation | 15<br>15 |
| **External Assessment :**<br>University Exam Section: 70<br>Time : 02.00 Hours | **Section(A) :** [illegible] Questions [illegible]<br>**Section (B) :** [illegible]<br>[illegible] | [illegible]<br>[illegible]<br>Total 70 |

**Any remarks/ suggestions:**

<table>
<tr><td colspan="5">भाग अ- परिचय</td></tr>
<tr><td colspan="2">कार्यक्रम : डिप्लोमा पाठ्यक्रम</td><td>कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष</td><td>वर्ष : द्वितीय</td><td>सत्र : 2022-2023</td></tr>
<tr><td colspan="5">विषय : समाजशास्त्र</td></tr>
<tr><td>1</td><td>पाठ्यक्रम का कोड</td><td colspan="3">A2-SOC1-1T</td></tr>
<tr><td>2</td><td>पाठ्यक्रम का शीर्षक</td><td colspan="3">सामाजिक शोध की मूलभूत अवधारणाएँ, प्रथम प्रश्न-पत्र</td></tr>
<tr><td>3</td><td>पाठ्यक्रम का प्रकार : कोर पाठ्यक्रम/इलेक्टिव /जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल</td><td colspan="3">मूल पाठ्यक्रम (Core Course)</td></tr>
<tr><td>4</td><td>पूर्वापेक्षा prerequisite (यदि कोई हो)</td><td colspan="3">यह एक अनिवार्य प्रश्न-पत्र है, जो कि बी.ए. द्वितीय वर्ष के उन सभी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने बी.ए. प्रथम वर्ष में समाजशास्त्र के कोर (मूल) प्रश्न-पत्र पढ़े हैं</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां कोर्स लर्निंग आउटकम (CLO)</td><td colspan="3">यह प्रश्न-पत्र विद्यार्थियों को शोध अंतर्ज्ञान विकसित करने में सहायता करेगा ! इस प्रश्न-पत्र के माध्यम से उन्हें वैज्ञानिक पद्धति की प्रकृति तथा मूल्य तटस्थता को प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी प्राप्त होगी!<br>1. यह प्रश्न-पत्र विद्यार्थियों को यथार्थ के महत्व तथा वस्तुनिष्ठ एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करने के तरीकों के बारे में शिक्षा देगा।<br>2. यह उनमें पठन, लेखन तथा तर्क करने की दक्षता विकसित करेगा ।<br>3. इस प्रश्न-पत्र का अभिकल्पन विद्यार्थियों को सामाजिक प्रघटनाओ के वैज्ञानिक अध्ययन से परिचित कराएगा!<br>इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों द्वारा संचालित अकादमिक, आधारभूत एवं नीति सम्बन्धी शोध परियोजनाओं में रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त होंगे।</td></tr>
<tr><td>6</td><td>क्रेडिट मान</td><td colspan="3">सैद्धांतिक – 6</td></tr>
<tr><td>7</td><td>कुल अंक</td><td>अधिकतम अंक : 30+70</td><td colspan="2">न्यूनतम उत्तीर्णअंक : 33</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td colspan="3">भाग ब - पाठ्यक्रम की विषय वस्तु</td></tr>
<tr><td colspan="3">व्याख्यान की कुल संख्या - ट्यूटोरियल - प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घण्टे में) : 6<br>L-T-P : 4-0-0</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td>शीर्षक</td><td>व्याख्यान की कुल संख्या</td></tr>
<tr><td>प्रथम</td><td>सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण<br>1.भारत में सामाजिक शोध का उदभव<br>2. वैज्ञानिक पद्धति की अवधारणा<br>3.अन्तरानुशासनात्मक अभिगम<br>4. सामाजिक शोध<br>4.1 अवधारणा एवं उद्देश्य<br>4.2 प्रकार<br>4.3 सामाजिक शोध के चरण<br>4.4 महत्व<br>5. सामाजिक सर्वेक्षण<br>5.1 अवधारणा<br>5.2 प्रकार<br>5.3 सामाजिक शोध एवं सामजिक सर्वेक्षण में अंतर<br>6.उपकल्पना<br>6.1 अवधारणा<br>6.2 उपकल्पना के स्रोत<br>6.3 उपकल्पना के निर्माण की कठिनाइयाँ<br>6.4 महत्व<br>7.भारत के प्रमुख सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण संस्थान<br>7.1 सामाजिक शोध के नवीन आयाम</td><td>18</td></tr>
<tr><td colspan="3">सार बिन्दु : सामाजिक शोध, वैज्ञानिक पद्धति, सामाजिक सर्वेक्षण, उपकल्पना, अन्तरआनुशासनात्मक अभिगम।</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td>द्वितीय</td><td>समंक संकलन के स्रोत एवं विधियाँ<br><br>1.समंक<br><br>1.1 अवधारणा<br><br>1.2 प्रकार<br><br>1.3 स्रोत : प्राथमिक एवं द्वितीयक<br><br>2. तथ्य संकलन की विधियाँ एवं प्रविधियाँ<br><br>2.1 संगणना पद्धति : अवधारणा<br><br>2.2 निदर्शन पद्धति<br><br>2.2.1 अवधारणा<br><br>2.2.2 निदर्शन के प्रकार<br><br>2.2.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ<br><br>3. प्रश्नावली :<br><br>3.1 अवधारणा<br><br>3.2 प्रकार<br><br>3.3 प्रश्नावली निर्माण<br><br>3.4 उपयोगिता एवं सीमाएँ<br><br>4. अनुसूची<br><br>4.1 अवधारणा<br><br>4.2 प्रकार<br><br>4.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ<br><br>4.4 प्रश्नावली एवं अनुसूची में अंतर</td><td>18</td></tr>
<tr><td colspan="3">सार बिन्दु : समंक, संगणना पद्धति, निदर्शन, प्रश्नावली, साक्षात्कार अनुसूची ।</td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| तृतीय | समंक संकलन की विधियाँ एवं प्रविधियाँ<br>1. अवलोकन<br>1.1 अवधारणा<br>1.2 प्रकार<br>1.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ<br>2. साक्षात्कार<br>2.1 अवधारणा<br>2.2 प्रकार<br>2.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ<br>3. वैयक्तिक अध्ययन पद्धति<br>3.1 अवधारणा<br>3.2 आधारभूत मान्यताएँ<br>3.3 वैयक्तिक अध्ययन पद्धति के यंत्र एवं विधियाँ<br>3.4 उपयोगिता एवं सीमाएँ<br>4. समाजमिति<br>4.1 अवधारणा<br>4.2 इतिहास<br>4.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ<br>5. अंतर्वस्तु विश्लेषण<br>5.1 अवधारणा | 18 |
| सार बिन्दु : अवलोकन, साक्षात्कार, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति, समाजमिति, अंतर्वस्तु विश्लेषण। | | |
| चतुर्थ | समंक का विश्लेषण एवं व्याख्या<br>1. वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता और वैधता की अवधारणा<br>2. संपादन, संकेतन एवं वर्गीकरण की अवधारणा | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 3. सारणीयन<br>3.1 अवधारणा<br>3.2 सारणीयन के नियम<br>3.3 सारणीयन के प्रकार<br>3.4 उपयोगिता एवं सीमाएँ<br>4. प्रतिवेदन लेखन<br>4.1 अवधारणा<br>4.2 प्रतिवेदन लेखन की अन्तर्वस्तु एवं चरण<br>4.3 प्रतिवेदन लेखन की समस्याएँ<br>4.4 महत्व | |
| सार बिन्दु : वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता, वैधता, संकेतन, वर्गीकरण, सारणीयन, प्रतिवेदन लेखन। | | |
| पंचम | **सामाजिक शोध में सांख्यिकी का प्रयोग**<br>1. सांख्यिकी की अवधारणा<br>2. सामाजिक शोध में सांख्यिकी की उपयोगिता एवं सीमाएँ<br>3. केंद्रीय प्रवृति की माप<br>3.1 अवधारणा<br>3.2 महत्व<br>4. माध्य, मध्यिका एवं बहुलक<br>4.1 अवधारणा<br>4.2 गणना<br>4.3 व्यावहारिक उपयोग<br>4.4 गुण एवं दोष<br>5. समंक का चित्रमय प्रदर्शन<br>5.1 चित्र रचना के नियम<br>5.2 चित्रों के प्रकार<br>5.3 चित्रों की उपयोगिता एवं सीमाएँ<br>6. सामाजिक शोध में कम्प्यूटर का उपयोग<br>7. एस.पी.एस.एस. (SPSS) - परिचय | 18 |
| सार बिन्दु : सांख्यिकी, चित्र, माध्य, मध्यिका, बहुलक, एस.पी.एस.एस.। | | |

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :


1. Bajpai, S.R., Social Research and Survey, (4th Edition), Kitab Ghar, New Delhi, India
2. Bhandarkar, P.L. and Wilkinson,T.S. (2003) Methodology and Techniques of Social Research, Himalaya Publishing House, Mumbai, Indian
3. Goode,W.J. and Hatt, P.K.(2006) Methods in Social Research, Surjeet Publications, New Delhi, India
4. Kothari, C.R., (2009) Research Methodology, Methods and Techniques, 2nd Revised Edition by New Age International pvt.Ltd., Daryaganj, New Delhi, India
5. Lundberg, George, (1951) Social Research, Green and Company New York, USA
6. Nehru, R.S.S. and Suryanarayan, N.V.S., (2012) Research Methodology, APH Publishing Cı corporation, Delhi, India
7. Saravanavel, P.,(1987) Research Methodology, Kitab Mahal, Allahabad , India
8. Singh , Jaspal,(1994) Introduction to Methods of Social Research, Sterling Publications New Delhi, India
9. Young, P.V.,(1968) Scientific Social Survey and Research, Printice Hall Publication, New Delhi, India
10. आहूजा, राम, (2005) रिसर्च मेथड्स, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर
11. बघेल, डी.एस., सामाजिक अनुसंधान, साहित्य पब्लिकेशन्स, आगरा
12. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा, डी.डी.,(2007) समाजशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
13. मुकर्जी, रवींद्रनाथ,(1978) सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, सरस्वती सदन, दिल्ली
14. मुकर्जी,रवींद्रनाथ(2019) सामाजिक शोध व सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन 7 यू.ए.जवाहर नगर नई दिल्ली

Suggestive digital platforms web links :

https://tourism.mp.gov.in/

https://www.india.gov.in/topics/travel-tourism

https://www.iittm.ac.

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन प्लेटफार्म :

IGNOU & Other centrally/state operated Universities

MOOC platforms such as “SWAYAM” in India and Abroad.

## भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ :

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा(UE) अंक :70

| | | |
|---|---|---|
| आंतरिक मूल्यांकन:<br>सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) : 30 | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण | 15<br>15<br>कुल अंक : 30 |
| आकंलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा : 75<br>समय : 02.00 घण्टे | अनुभा[illegible] (अ) : [illegible]<br>अ[illegible] (ब) : [illegible]<br>अनुभाग [illegible] दीर्घ [illegible] प्रश्न [illegible] | [illegible]<br>[illegible]<br>[illegible]<br>कुल अंक : 70 |

कोई टिप्पणी / सुझाव :

<table>
<tr><th colspan="4">Part A Introduction</th></tr>
<tr><td colspan="2">Program : Diploma Course</td><td>Class: B.A. II Year</td><td>Year: II | Session: 2022-2023</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject: Sociology</td></tr>
<tr><td>1</td><td>Course Code</td><td colspan="2">A2- SOC12T</td></tr>
<tr><td>2</td><td>Course Title</td><td colspan="2">Social Change and Development, Paper- II</td></tr>
<tr><td>3</td><td>Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)</td><td colspan="2">Core Course</td></tr>
<tr><td>4</td><td>Pre-requisite (if any)</td><td colspan="2">This is a compulsory paper Open for all B.A. II year Students , and compulsory paper for those students who had core papers of Sociology in B.A. I Year.</td></tr>
<tr><td>5</td><td>Course Learning outcomes (CLO)</td><td colspan="2">Social change is inevitable, hence learning about human society is incomplete without comprehension of change. This paper is designed to give the student an extensive knowledge about social change and it's overall impact on society.<br><br>1. This paper will introduce the students with the concept, various factors, processes and theories of social change.<br>2. It will also give them knowledge about the concept of development and its consequences.<br>3. The critical contributions would enable students to come out with understanding of policies and initiatives taken by the government, their implementation and resulting problems.<br>4. Students, well versed with this course are most likely to get job opportunities in various departments of planning and development, in NGOs which work as agencies of change and development and research institutes which deal with project and planning.</td></tr>
<tr><td>6</td><td>Credit Value</td><td colspan="2">Theory – 6</td></tr>
<tr><td>7</td><td>Total Marks</td><td>Max. Marks: 30+70</td><td>Min. Passing Marks:33</td></tr>
</table>

| Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| **Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6 hours per week L-T-P: 6-0-0** | | |
| **Unit** | **Topics** | **No. of Lectures** |
| I | **Social Change in India**<br>1.Concept of Social Change<br><br>2.Forms of Social Change<br>2.1.Evolution and Revolution<br>2.2 Progress and Development<br><br>3.Theories of Social Change | 18 |
| **Keywords/Tags :** Social Change, Evolution, Revolution, Progress, Development, Theories of Social Change. | | |
| II | **Processes of Social Change**<br>1. Sanskritization and westernization<br>1.1 Concept<br>1.2 Favourable Conditions in Sanskritization and westernization<br><br>2 Industrialization, Urbanization and Modernization<br>2.1Concept<br>2.2 Effect on Indian Society and Institutions<br><br>3 Liberalisation, Privatisation, Globalisation and information Revaluation<br>3.1 Concept<br>3.2 Effects on Indian Society<br><br>4. Social Movement<br>4.1Concept<br>4.2 Role of Social Movements in Social Change | 18 |
| **Keywords/Tags:** Sanskritization, Urbanization, Westernization, Modernization, Liberalisation, Privatisation, Globalisation, Social Movement, Industrialization, Information Revaluation | | |
| III | **Social Development in India**<br>**1.Social Development**<br>1.1 Concept<br>1.2 Indicators of Social Development<br>2 Agencies of Social Development<br>2.1State | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.2 Non Governmental Agencies<br>2.3 Market<br>**3.Changing Conceptions of Development**<br>3.1 Change in Traditions<br>3.2 Consumerism<br>3.3 Consumerist society<br>**4.Sustainable Development**<br>4.1 Concept<br>4.2 Elements of Sustainable Development<br>4.3 Indicators of Sustainable Development<br>4.4 Goals of Sustainable Development | |
| **Keywords/Tags:** Social Development, Sustainable Development, Goal of Sustainable Development, Traditions, Consumerism,Consumerist society | | |
| IV | **Challenges of Development in Indian Society**<br>1.Socio-cultural and Economic Challenges<br>2. Development and Environmental problems<br>3. Indian Experience of Development-<br>3.1 Sarwodaya<br>3.2 Bhoodan<br>3.3 Chitrakoot model<br>3.4 White Revaluation<br>4.Planning<br>4.1Concept of Planning<br>4.2 Types of planning<br>4.3 Techniques of planning<br>4.4 Five Year Plans in India<br>4.5 Sociological Appraisal of Five Year Plans | 18 |
| **Keywords/Tags:** Challenges of Development, Cultural Challenges, Environmental Problems, Techniques of Planning, Chitrakoot model and white Revaluation ,Bhoodan | | |
| V | **Social Policies and Programmes**<br>**1.Social Policy**<br>1.1 Concept<br>1.2 Need<br>1.3 Social Policy and Development<br>**2.Community Development Programme**<br>2.1 Concept<br>2.2 Objectives<br>2.3 Implementation of Programme<br>2.4 Monitoring | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.5 Evaluation<br>2.6Contribution of Community Development Programmes in Social Development of in India<br>**4.NITI AYOG**<br>3.1 Structure<br>3.2 Functions | |

**Keywords/Tags:** Social Policy, Community Development Programme,Monitering, NITI AYOG

## Part C-Learning Resources

### Text Books, Reference Books, Other resources

**Suggested Readings:**

1. Abraham, M. Francis, contemporary Sociology: An Introduction to Concept and Theories, Oxford University Press, New Delhi 2010
2. Gunnar Myrdal C.F. Asian Drama,The Penguin Press 1968
3. Harrison,D. The Sociology of Modernization & Development, Sage Publication, New Delhi 1989
4. Julian H. Steward, Theory Of Culturr Change, University of Illinois press, Umrbana 1955
5. Kuppuswamy,B.Social Change in India, Konark publishers Pvt.Ltd., New Delhi 2010
6. Moor, Willbert& Robert cook, social Change, prentice HallNew Delhi 1967
7. Ogburn,W.F.Social Change New York 1992
8. Rao,Shankar C.N. Sociology, S Chand and Company Limited New Delhi 2019
9. Sharma, S.L. Development, Socio- Cultural Dimension, Rawat Publications, Jaipur 1980
10. Srinivas, M.N. Social Change in Modern India, University of Berkley 1966
11. Singh, Yogendra, Modernization of Indian Tradition. Rawat Publication Jaipur 2009
12. Sorokin, P.A. Social and Cultural Dynamics. poster Sargent, Boston,1957
13. Tinbergen,J.A. Capitalism, Socialism and Democracy, Allen and unwin 1943
14. आहूजा,राम, भारतीय सामाजिक व्यवस्था रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008
15. बंसल, आलोक कुमार, पर्यावरण एवं पर्यावरणीय संरक्षण, सबलाइम पब्लिकेशन,जयपुर 2007
16. गुर्जर,राम कुमार,पर्यावरणीय समस्याएं पोइंटर पब्लिशर्स जयपुर 2000
17. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा, डी. डी. समाज शास्त्र साहित्य भवन पब्लिकेशन 2010
18. प्रसाद, गोपी कृष्ण. विकास का समाजशास्त्र रावत पब्लिकेशन 1999
19. सिंह, आनंद प्रकाश, नगरीय समाजशास्त्र. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन नई दिल्ली 2007
20. शर्मा, के.एल.भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन,रावत पब्लिकेशन जयपुर 2006
21. शर्मा, रामनाथ, शर्मा, राजेंद्र कुमार, केदारनाथ रामनाथ मेरठ 1988
22. सिंह, योगेंद्र,भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण, रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008

Suggestive digital platforms web links

**https://nptel.ac.in/**

**https://swayam.gov.in/explorer**

**Suggested equivalent online courses:**
IGNOU & Other centrally/state operated Universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

**Part D-Assessment and Evaluation**

Maximum Marks :**100**

Continuous Comprehensive Evaluation

(CCE) :30University Exam (UE) :**70**

Time :**02.00 Hours**

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment** :Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | Class Test(**Descriptive/Objective Type** ) | **15** |
| | Assignment/ Presentation / **Group Work-Seminar / Power Point Presentation** | **15** |
| | **Total** | **30** |
| | Section (A) : [illegible] Short Questions (50 W[illegible]) | [illegible] |
| **External Assessment :** University Exam | Section (B) [illegible] | [illegible] |
| | [illegible] | [illegible] |
| | **Total** | **70** |

| भाग अ- परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : डिप्लोमा पाठ्यक्रम | कक्षा : बी.ए. II वर्ष | वर्ष : द्वितीय | सत्र : 2022-2023 |

**विषय : समाजशास्त्र**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A2-SOC12T | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, द्वितीय प्रश्न-पत्र | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : कोर पाठ्यक्रम/इलेक्टिव /जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल | मूल (कोर) पाठ्यक्रम | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो) | यह एक अनिवार्य प्रश्न-पत्र है, जो कि बी.ए. द्वितीय वर्ष के उन सभी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने बी.ए. प्रथम वर्ष में समाजशास्त्र के कोर (मूल) प्रश्न-पत्र पढ़े हैं। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां कोर्स लर्निंग आउटकम (CLO) | सामाजिक परिवर्तन अपरिहार्य है, अतः परिवर्तन के बोध के बिना मानव समाज का ज्ञान अधूरा है। इस पाठ्यक्रम की रचना विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन एवं समाज पर इसके सर्वांगीण विकास के बारे में विस्तृत ज्ञान प्रदान करने के लिये की गयी है:<br>1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा, विभिन्न कारक,प्रक्रियाओं एवं सिद्धांतों से परिचित करायेगा।<br>2. यह पाठ्यक्रम विकास की अवधारणा एवं इसके परिणामों का भी ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करेगा ।<br>3. सरकार की विभिन्न नीतियों, उपक्रम ,उनका क्रियान्वयन एवं उत्पन्न होने वाली समस्याओं का आलोचनात्मक योगदान विद्यार्थियों को एक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।<br>4. इस पाठ्यक्रम में निहित ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थी नियोजन एवं विकास सम्बन्धी विभागों में, परिवर्तन एवं विकास के माध्यमों के रूप में कार्यशील गैर सरकारी संगठनों में,परियोजना एवं नियोजन सम्बन्धी कार्य करने वाले विभिन्न शोध संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सफल होंगे। | |
| 6 | क्रेडिट मान | सैद्धांतिक – 6 | |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक : 30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33 |

<table>
<tr><td colspan="3">भाग ब - पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु</td></tr>
<tr><td colspan="3">व्याख्यान की कुल संख्या - ट्यूटोरियल - प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घण्टे में) : 6<br>L-T-P : 6-0-0</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td>शीर्षक</td><td>व्याख्यान की कुल संख्या</td></tr>
<tr><td>I</td><td>भारत में सामाजिक परिवर्तन<br>1. सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा<br>2.सामाजिक परिवर्तन के स्वरूप<br>2.1 उद्विकास एवं क्रांति<br>2.2 प्रगति एवं विकास<br>3.सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत</td><td>18</td></tr>
<tr><td colspan="3">सार बिन्दु : सामाजिक परिवर्तन, उद्विकास, क्रांति, प्रगति, विकास, सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत</td></tr>
<tr><td>II</td><td>सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ<br>1. संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण<br>1.1 अवधारणा<br>1.2 संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण - अनुकूलन में सहायक दशाएं<br>2. ओद्योगीकरण, नगरीकरण एवं आधुनिकीकरण<br>2.1 अवधारणा<br>2.2 भारतीय समाज एवं संस्थाओं पर प्रभाव<br>3. उदारीकरण,निजीकरण, वैश्वीकरण एवं सूचना क्रांति<br>3.1 अवधारणा<br>3.2 भारतीय समाज पर प्रभाव<br>4. सामाजिक आंदोलन</td><td>18</td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| | 4.1 अवधारणा<br>4.2 सामाजिक परिवर्तन में सामाजिक आंदोलन की भूमिका | |
| सार बिन्दु : संस्कृतिकरण, नगरीकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, उदारीकरण, निजीकरण,वैश्वीकरण, सामाजिक आंदोलन, सूचना क्रांति, ओद्योगीकरण | | |
| III | भारत में सामाजिक विकास<br>1. सामाजिक विकास<br>1.1 अवधारणा<br>1.2 सामाजिक विकास के संकेतक<br>2. सामाजिक विकास के अभिकरण<br>2.1. राज्य<br>2.2 गैर सरकारी संगठन<br>2.3 बाजार<br>3. विकास की बदलती अवधारणा<br>3.1 परम्पराओ मे परिवर्तन<br>3.2 उपभोक्तावाद<br>3.3 उपभोगी समाज<br>4. सतत विकास<br>4.1 अवधारणा<br>4.2 सतत विकास के मूल तत्व<br>4.3 सतत विकास के संकेतक<br>4.4 सतत विकास के लक्ष्य (SDG) | 18 |
| सार बिन्दु : सामाजिक विकास, आर्थिक विकास, मानव विकास ,सतत विकास, सतत विकास के लक्ष्य, उपभोक्तावाद, उपभोगी समाज | | |

| | | |
|---|---|---|
| IV | भारतीय समाज में विकास की चुनौतियां<br><br>1. सामाजिक- सांस्कृतिक एवं आर्थिक चुनौतियां<br><br>2. विकास एवं पर्यावरणीय समस्याएँ<br><br>3. विकास के भारतीय अनुभव<br><br>3.1 सर्वोदय<br>3.2 भूदान<br>3.3 चित्रकूट मॉडल<br>3.4 श्वेत क्रांति<br>4. नियोजन<br><br>4.1 नियोजन की अवधारणा<br><br>4.2 नियोजन के प्रकार<br><br>4.3 नियोजन की विधियां<br><br>4.4 भारत में पंचवर्षीय योजनाएं<br><br>4.5 पंचवर्षीय योजनाओं का समाजशास्त्रीय विश्लेषण | 18 |
| **सार बिन्दु :** विकास की चुनौतियां, सांस्कृतिक चुनौतियां, आर्थिक चुनोतियाँ, सर्वोदय, भूदान, चित्रकूट मॉडल, श्वेत क्रांति,पर्यावरणीय समस्याएं, नियोजन की विधियां | | |
| V | सामाजिक नीतियाँ एवं कार्यक्रम<br>1.सामाजिक नीति<br><br>1.1अवधारणा<br><br>1.2 आवश्यकता<br><br>1.3 सामाजिक नीति एवं विकास<br><br>2.सामुदायिक विकास कार्यक्रम<br><br>2.1अवधारणा | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.2 उद्देश्य<br><br>2.3 कार्यक्रमों का क्रियान्वयन<br><br>2.4 अनुवीक्षण (निगरानी)<br><br>2.5 मूल्यांकन<br><br>2.6 भारत के सामाजिक विकास में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का योगदान<br><br>3. नीति आयोग<br><br>3.1संरचना<br><br>3.2 कार्य | |
| **सार बिन्दु :** सामाजिक नीति, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, अनुवीक्षण, नीति आयोग | | |

| भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन |
|---|
| अनुशंसित पुस्तकें / सहायक पुस्तकें / अन्य पाठ्यक्रम संसाधन / पाठ्य सामग्री :<br>1. Abraham, M. Francis, contemporary Sociology: An Introduction to Concept and Theories, Oxford University Press, New Delhi 2010<br>2. Harrison,D. The Sociology of Modernization & Development, Sage Publication, New Delhi 1989<br>3. Julian H. Steward, Theory Of Culturr Change, University of Illinois press, Umrbana 1955<br>4. Kuppuswamy,B.Social Change in India, Konark publishers Pvt.Ltd., New Delhi 2010<br>5. Moor, Willbert & Robert cook, social Change, prentice Hall New Delhi 1967<br>6. Ogburn,W.F.Social Change New York 1992<br>7. Rao,Shankar C.N. Sociology, S Chand and Company Limited New Delhi 2019<br>8. Sharma, S.L. Development, Socio- Cultural Dimension, Rawat Publications, Jaipur 1980<br>9. Srinivas, M.N. Social Change in Modern India, University of Berkley 1966<br>10. Singh, Yogendra, Modernization of Indian Tradition. Rawat Publication Jaipur 2009<br>11. Sorokin, P.A. Social and Cultural Dynamics. poster Sargent, Boston,1957<br>12. Tinbergen,J.A. Capitalism, Socialism and Democracy, Allen and unwin 1943<br>13. Gunnar Myrdal C.F. Asian Drama,The Penguin Press 1968<br>14. आहूजा,राम, भारतीय सामाजिक व्यवस्था रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008<br>15. बंसल, आलोक कुमार, पर्यावरण एवं पर्यावरणीय संरक्षण, सबलाइम पब्लिकेशन,जयपुर 2007<br>16. गुर्जर,राम कुमार,पर्यावरणीय समस्याएं पोइंटर पब्लिशर्स जयपुर 2000<br>17. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा, डी. डी. समाज शास्त्र साहित्य भवन पब्लिकेशन 2010<br>18. प्रसाद, गोपी कृष्ण. विकास का समाजशास्त्र रावत पब्लिकेशन 1999<br>19. सिंह, आनंद प्रकाश, नगरीय समाजशास्त्र. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन नई दिल्ली 2007<br>20. शर्मा, के.एल.भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन,रावत पब्लिकेशन जयपुर 2006<br>21. शर्मा, रामनाथ, शर्मा, राजेंद्र कुमार, केदारनाथ रामनाथ मेरठ 1988<br>22. सिंह, योगेंद्र,भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण, रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008 |

| |
|---|
| अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन वेब लिंक :<br><br>**https://nptel.ac.in/**<br><br>**https://swayam.gov.in/explorer** |
| अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन प्लेटफार्म :<br><br>IGNOU & Other centrally/state operated Universities<br>MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad. |

## भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ :

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा(UE) अंक :70

| | | |
|---|---|---|
| आंतरिक मूल्यांकन:<br>सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) : 30 | क्लास टेस्ट | 15 |
| | असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण | 15 |
| | | कुल अंक : 30 |
| आकंलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा : 70<br>समय : 03.00 घण्टे | [illegible] (अ) : [illegible]<br>[illegible]<br>अनुभाग [illegible]<br>[illegible])<br>अनुभाग (स) : [illegible] | [illegible]<br><br><br>[illegible]<br><br>कुल अंक : 70 |

कोई टिप्पणी / सुझाव :

<table>
<tr><th colspan="4">Part A Introduction</th></tr>
<tr><th>Program : Diploma Course</th><th>Class: B.A. II Year</th><th>Year: II</th><th>Session: 2022-2023</th></tr>
<tr><th colspan="4">Subject: Sociology</th></tr>
</table>

<table>
<tr><td>1</td><td>Course Code</td><td colspan="2">A2- SOC12T</td></tr>
<tr><td>2</td><td>Course Title</td><td colspan="2">Social Change and Development, Paper- II</td></tr>
<tr><td>3</td><td>Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)</td><td colspan="2">Core Course</td></tr>
<tr><td>4</td><td>Pre-requisite (if any)</td><td colspan="2">This is a compulsory paper Open for all B.A. II year Students , and compulsory paper for those students who had core papers of Sociology in B.A. I Year.</td></tr>
<tr><td>5</td><td>Course Learning outcomes (CLO)</td><td colspan="2">Social change is inevitable, hence learning about human society is incomplete without comprehension of change. This paper is designed to give the student an extensive knowledge about social change and it's overall impact on society.<br><br>1. This paper will introduce the students with the concept, various factors, processes and theories of social change.<br>2. It will also give them knowledge about the concept of development and its consequences.<br>3. The critical contributions would enable students to come out with understanding of policies and initiatives taken by the government, their implementation and resulting problems.<br>4. Students, well versed with this course are most likely to get job opportunities in various departments of planning and development, in NGOs which work as agencies of change and development and research institutes which deal with project and planning.</td></tr>
<tr><td>6</td><td>Credit Value</td><td colspan="2">Theory – 6</td></tr>
<tr><td>7</td><td>Total Marks</td><td>Max. Marks: 30+70</td><td>Min. Passing Marks:33</td></tr>
</table>

| Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| **Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6 hours per week L-T-P: 6-0-0** | | |
| **Unit** | **Topics** | **No. of Lectures** |
| I | **Social Change in India**<br>1.Concept of Social Change<br><br>2.Forms of Social Change<br>2.1.Evolution and Revolution<br>2.2 Progress and Development<br><br>3.Theories of Social Change | 18 |
| **Keywords/Tags :** Social Change, Evolution, Revolution, Progress, Development, Theories of Social Change. | | |
| II | **Processes of Social Change**<br>1. Sanskritization and westernization<br>1.1 Concept<br>1.2 Favourable Conditions in Sanskritization and westernization<br><br>2 Industrialization, Urbanization and Modernization<br>2.1Concept<br>2.2 Effect on Indian Society and Institutions<br><br>3 Liberalisation, Privatisation, Globalisation and information Revaluation<br>3.1 Concept<br>3.2 Effects on Indian Society<br><br>4. Social Movement<br>4.1Concept<br>4.2 Role of Social Movements in Social Change | 18 |
| **Keywords/Tags:** Sanskritization, Urbanization, Westernization, Modernization, Liberalisation, Privatisation, Globalisation, Social Movement, Industrialization, Information Revaluation | | |
| III | **Social Development in India**<br>**1.Social Development**<br>1.1 Concept<br>1.2 Indicators of Social Development<br>2 Agencies of Social Development<br>2.1State | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.2 Non Governmental Agencies<br>2.3 Market<br>**3.Changing Conceptions of Development**<br>3.1 Change in Traditions<br>3.2 Consumerism<br>3.3 Consumerist society<br>**4.Sustainable Development**<br>4.1 Concept<br>4.2 Elements of Sustainable Development<br>4.3 Indicators of Sustainable Development<br>4.4 Goals of Sustainable Development | |
| **Keywords/Tags:** Social Development, Sustainable Development, Goal of Sustainable Development, Traditions, Consumerism,Consumerist society | | |
| IV | **Challenges of Development in Indian Society**<br>1.Socio-cultural and Economic Challenges<br>2. Development and Environmental problems<br>3. Indian Experience of Development-<br>3.1 Sarwodaya<br>3.2 Bhoodan<br>3.3 Chitrakoot model<br>3.4 White Revaluation<br>4.Planning<br>4.1Concept of Planning<br>4.2 Types of planning<br>4.3 Techniques of planning<br>4.4 Five Year Plans in India<br>4.5 Sociological Appraisal of Five Year Plans | 18 |
| **Keywords/Tags:** Challenges of Development, Cultural Challenges, Environmental Problems, Techniques of Planning, Chitrakoot model and white Revaluation ,Bhoodan | | |
| V | **Social Policies and Programmes**<br>**1.Social Policy**<br>1.1 Concept<br>1.2 Need<br>1.3 Social Policy and Development<br>**2.Community Development Programme**<br>2.1 Concept<br>2.2 Objectives<br>2.3 Implementation of Programme<br>2.4 Monitoring | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.5 Evaluation<br>2.6Contribution of Community Development Programmes in Social Development of in India<br>**4.NITI AYOG**<br>3.1 Structure<br>3.2 Functions | |

**Keywords/Tags:** Social Policy, Community Development Programme,Monitering, NITI AYOG

**Part C-Learning Resources**

**Text Books, Reference Books, Other resources**

**Suggested Readings:**


1. Abraham, M. Francis, contemporary Sociology: An Introduction to Concept and Theories, Oxford University Press, New Delhi 2010
2. Gunnar Myrdal C.F. Asian Drama,The Penguin Press 1968
3. Harrison,D. The Sociology of Modernization & Development, Sage Publication, New Delhi 1989
4. Julian H. Steward, Theory Of Culturr Change, University of Illinois press, Umrbana 1955
5. Kuppuswamy,B.Social Change in India, Konark publishers Pvt.Ltd., New Delhi 2010
6. Moor, Willbert& Robert cook, social Change, prentice HallNew Delhi 1967
7. Ogburn,W.F.Social Change New York 1992
8. Rao,Shankar C.N. Sociology, S Chand and Company Limited New Delhi 2019
9. Sharma, S.L. Development, Socio- Cultural Dimension, Rawat Publications, Jaipur 1980
10. Srinivas, M.N. Social Change in Modern India, University of Berkley 1966
11. Singh, Yogendra, Modernization of Indian Tradition. Rawat Publication Jaipur 2009
12. Sorokin, P.A. Social and Cultural Dynamics. poster Sargent, Boston,1957
13. Tinbergen,J.A. Capitalism, Socialism and Democracy, Allen and unwin 1943
14 आहूजा,राम, भारतीय सामाजिक व्यवस्था रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008
15. बंसल, आलोक कुमार, पर्यावरण एवं पर्यावरणीय संरक्षण, सबलाइम पब्लिकेशन,जयपुर 2007
16. गुर्जर,राम कुमार,पर्यावरणीय समस्याएं पोइंटर पब्लिशर्स जयपुर 2000
17. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा, डी. डी. समाज शास्त्र साहित्य भवन पब्लिकेशन 2010
18. प्रसाद, गोपी कृष्ण. विकास का समाजशास्त्र रावत पब्लिकेशन 1999
19. सिंह, आनंद प्रकाश, नगरीय समाजशास्त्र. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन नई दिल्ली 2007
20. शर्मा, के.एल.भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन,रावत पब्लिकेशन जयपुर 2006
21. शर्मा, रामनाथ, शर्मा, राजेंद्र कुमार, केदारनाथ रामनाथ मेरठ 1988
22. सिंह, योगेंद्र,भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण, रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008


Suggestive digital platforms web links

| |
|---|
| **https://nptel.ac.in/**<br><br>**https://swayam.gov.in/explorer** |
| **Suggested equivalent online courses:**<br>IGNOU & Other centrally/state operated Universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad. |
| **Part D-Assessment and Evaluation** |

Maximum Marks :**100**

Continuous Comprehensive Evaluation

(CCE) :30University Exam (UE) :**70**

Time :**02.00 Hours**

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment** :Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | Class Test(**Descriptive/Objective Type** )_ | **15** |
| | Assignment/ Presentation / **Group Work-Seminar / Power Point Presentation** | **15** |
| | **Total** | **30** |
| | Section (A) : [illegible] rt Questions (50 W [illegible]) | [illegible] |
| **External Assessment :** University Exam | Section (B) [illegible] | [illegible] |
| | [illegible] | [illegible] |
| | **Total** | **70** |

| भाग अ- परिचय | | | | |
|---|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : डिप्लोमा पाठ्यक्रम | | कक्षा : बी.ए. II वर्ष | वर्ष : द्वितीय | सत्र : 2022-2023 |
| विषय : समाजशास्त्र | | | | |
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A2-SOCI 2T | | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, द्वितीय प्रश्न-पत्र | | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : कोर पाठ्यक्रम/इलेक्टिव /जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल | मूल (कोर) पाठ्यक्रम | | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो) | यह एक अनिवार्य प्रश्न-पत्र है, जो कि बी.ए. द्वितीय वर्ष के उन सभी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने बी.ए. प्रथम वर्ष में समाजशास्त्र के कोर (मूल) प्रश्न-पत्र पढ़े हैं। | | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां कोर्स लर्निंग आउटकम (CLO) | सामाजिक परिवर्तन अपरिहार्य है, अतः परिवर्तन के बोध के बिना मानव समाज का ज्ञान अधूरा है। इस पाठ्यक्रम की रचना विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन एवं समाज पर इसके सर्वांगीण विकास के बारे में विस्तृत ज्ञान प्रदान करने के लिये की गयी है:<br>1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा, विभिन्न कारक,प्रक्रियाओं एवं सिद्धांतों से परिचित करायेगा।<br>2. यह पाठ्यक्रम विकास की अवधारणा एवं इसके परिणामों का भी ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करेगा ।<br>3. सरकार की विभिन्न नीतियों, उपक्रम ,उनका क्रियान्वयन एवं उत्पन्न होने वाली समस्याओं का आलोचनात्मक योगदान विद्यार्थियों को एक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।<br>4. इस पाठ्यक्रम में निहित ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थी नियोजन एवं विकास सम्बन्धी विभागों में, परिवर्तन एवं विकास के माध्यमों के रूप में कार्यशील गैर सरकारी संगठनों में,परियोजना एवं नियोजन सम्बन्धी कार्य करने वाले विभिन्न शोध संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सफल होंगे। | | |
| 6 | क्रेडिट मान | सैद्धांतिक – 6 | | |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक : 30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33 | |

| भाग ब - पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या - ट्यूटोरियल - प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घण्टे में) : 6<br>L-T-P : 6-0-0 | | |
| इकाई | शीर्षक | व्याख्यान की कुल संख्या |
| I | भारत में सामाजिक परिवर्तन<br>1. सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा<br>2.सामाजिक परिवर्तन के स्वरूप<br>2.1 उद्विकास एवं क्रांति<br>2.2 प्रगति एवं विकास<br>3.सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत | 18 |
| सार बिन्दु : सामाजिक परिवर्तन, उद्विकास, क्रांति, प्रगति, विकास, सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत | | |
| II | सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ<br>1. संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण<br>1.1 अवधारणा<br>1.2 संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण - अनुकूलन में सहायक दशाएं<br>2. ओद्योगीकरण, नगरीकरण एवं आधुनिकीकरण<br>2.1 अवधारणा<br>2.2 भारतीय समाज एवं संस्थाओं पर प्रभाव<br>3. उदारीकरण,निजीकरण, वैश्वीकरण एवं सूचना क्रांति<br>3.1 अवधारणा<br>3.2 भारतीय समाज पर प्रभाव<br>4. सामाजिक आंदोलन | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 4.1 अवधारणा<br><br>4.2 सामाजिक परिवर्तन में सामाजिक आंदोलन की भूमिका | |
| सार बिन्दु : संस्कृतिकरण, नगरीकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, उदारीकरण, निजीकरण,वैश्वीकरण, सामाजिक आंदोलन, सूचना क्रांति, ओद्योगीकरण | | |
| III | भारत में सामाजिक विकास<br>1. सामाजिक विकास<br>1.1 अवधारणा<br>1.2 सामाजिक विकास के संकेतक<br>2. सामाजिक विकास के अभिकरण<br>2.1. राज्य<br>2.2 गैर सरकारी संगठन<br>2.3 बाजार<br>3. विकास की बदलती अवधारणा<br>3.1 परम्पराओ मे परिवर्तन<br>3.2 उपभोक्तावाद<br>3.3 उपभोगी समाज<br>4. सतत विकास<br>4.1 अवधारणा<br>4.2 सतत विकास के मूल तत्व<br>4.3 सतत विकास के संकेतक<br>4 4 सतत विकास के लक्ष्य (SDG) | 18 |
| सार बिन्दु : सामाजिक विकास, आर्थिक विकास, मानव विकास ,सतत विकास, सतत विकास के लक्ष्य, उपभोक्तावाद, उपभोगी समाज | | |

| | | |
|---|---|---|
| IV | भारतीय समाज में विकास की चुनौतियां<br><br>1. सामाजिक- सांस्कृतिक एवं आर्थिक चुनौतियां<br><br>2. विकास एवं पर्यावरणीय समस्याएँ<br><br>3. विकास के भारतीय अनुभव<br><br>3.1 सर्वोदय<br>3.2 भूदान<br>3.3 चित्रकूट मॉडल<br>3.4 श्वेत क्रांति<br><br>4. नियोजन<br><br>4.1 नियोजन की अवधारणा<br><br>4.2 नियोजन के प्रकार<br><br>4.3 नियोजन की विधियां<br><br>4.4 भारत में पंचवर्षीय योजनाएं<br><br>4.5 पंचवर्षीय योजनाओं का समाजशास्त्रीय विश्लेषण | 18 |
| सार बिन्दु : विकास की चुनौतियां, सांस्कृतिक चुनौतियां, आर्थिक चुनोतियाँ, सर्वोदय, भूदान, चित्रकूट मॉडल, श्वेत क्रांति,पर्यावरणीय समस्याएं, नियोजन की विधियां | | |
| V | सामाजिक नीतियाँ एवं कार्यक्रम<br>1.सामाजिक नीति<br><br>1.1अवधारणा<br><br>1.2 आवश्यकता<br><br>1.3 सामाजिक नीति एवं विकास<br><br>2.सामुदायिक विकास कार्यक्रम<br><br>2.1अवधारणा | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.2 उद्देश्य<br><br>2.3 कार्यक्रमों का क्रियान्वयन<br><br>2.4 अनुवीक्षण (निगरानी)<br><br>2.5 मूल्यांकन<br><br>2.6 भारत के सामाजिक विकास में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का योगदान<br><br>3. नीति आयोग<br><br>3.1संरचना<br><br>3.2 कार्य | |
| सार बिन्दु : सामाजिक नीति, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, अनुवीक्षण, नीति आयोग | | |

## भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें / सहायक पुस्तकें / अन्य पाठ्यक्रम संसाधन / पाठ्य सामग्री :


1. Abraham, M. Francis, contemporary Sociology: An Introduction to Concept and Theories, Oxford University Press, New Delhi 2010
2. Harrison,D. The Sociology of Modernization & Development, Sage Publication, New Delhi 1989
3. Julian H. Steward, Theory Of Culturr Change, University of Illinois press, Umrbana 1955
4. Kuppuswamy,B.Social Change in India, Konark publishers Pvt.Ltd., New Delhi 2010
5. Moor, Willbert & Robert cook, social Change, prentice Hall New Delhi 1967
6. Ogburn,W.F.Social Change New York 1992
7. Rao,Shankar C.N. Sociology, S Chand and Company Limited New Delhi 2019
8. Sharma, S.L. Development, Socio- Cultural Dimension, Rawat Publications, Jaipur 1980
9. Srinivas, M.N. Social Change in Modern India, University of Berkley 1966
10. Singh, Yogendra, Modernization of Indian Tradition. Rawat Publication Jaipur 2009
11. Sorokin, P.A. Social and Cultural Dynamics. poster Sargent, Boston,1957
12. Tinbergen,J.A. Capitalism, Socialism and Democracy, Allen and unwin 1943
13. Gunnar Myrdal C.F. Asian Drama,The Penguin Press 1968
14. आहूजा,राम, भारतीय सामाजिक व्यवस्था रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008
15. बंसल, आलोक कुमार, पर्यावरण एवं पर्यावरणीय संरक्षण, सबलाइम पब्लिकेशन,जयपुर 2007
16. गुर्जर,राम कुमार,पर्यावरणीय समस्याएं पोइंटर पब्लिशर्स जयपुर 2000
17. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा, डी. डी. समाज शास्त्र साहित्य भवन पब्लिकेशन 2010
18. प्रसाद, गोपी कृष्ण. विकास का समाजशास्त्र रावत पब्लिकेशन 1999
19. सिंह, आनंद प्रकाश, नगरीय समाजशास्त्र. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन नई दिल्ली 2007
20. शर्मा, के.एल.भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन,रावत पब्लिकेशन जयपुर 2006
21. शर्मा, रामनाथ, शर्मा, राजेंद्र कुमार, केदारनाथ रामनाथ मेरठ 1988
22. सिंह, योगेंद्र,भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण, रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008

| अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन वेब लिंक : |
|---|
| **https://nptel.ac.in/**<br><br>**https://swayam.gov.in/explorer** |
| अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन प्लेटफार्म : |
| IGNOU & Other centrally/state operated Universities<br>MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad. |

## भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ :

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा(UE) अंक :70

| | | |
|---|---|---|
| आंतरिक मूल्यांकन:<br>सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) : 30 | क्लास टेस्ट | 15 |
| | असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण | 15 |
| | | कुल अंक : 30 |
| आकंलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा : 70<br>समय : 0~~2~~3.00 घण्टे | [illegible] (अ) : [illegible]<br>[illegible]<br>अनु[illegible]<br>[illegible])<br>अनुभाग (स) : [illegible]<br>[illegible] | [illegible]<br><br><br>[illegible]<br><br>कुल अंक : 70 |

कोई टिप्पणी / सुझाव :

## Foundation of Sociological Thought Group 'B' - Paper First

| Programme : Degree Course | Class : B.A | Year : III | Session : 2023-2024 |
|---|---|---|---|
| Subject : Sociology | | | |

| | | |
|---|---|---|
| 01 | Course Code | A3-SOCI3D |
| 02 | Course Title | Foundation of Sociological Thought |
| 03 | Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/ Vocational/ ) | **Discipline Specific Elective**<br>**Group 'B' - Paper First** |
| 04 | **Pre-requisite** | This course is available to third year undergraduate students who have opted Sociology as their major subject. |
| 05 | Course Learning Outcomes (CLO) | **After Completing this course students will be able to understand the followings :-**<br>1. The original text of sociological thought.<br>2. They will be able to critically analyze the theoretical argument of different scholars.<br>3. Students will be able to apply sociological theories to understand the social phenomena in the practical world.<br>4. This course will be helpful to develop the deep scientific and logical understanding about Indian Society, culture and traditions among students. |
| 06 | Credit Value | Theory - 6 |
| 07 | Total Marks | Maximum Marks: 30 + 70 — Minimum Passing Marks: 35 |

Bajpai
(Dr M. Bajpai)

Scanned with OKEN Scanner

| Part B – Content of the Course | | |
|---|---|---|
| Total No. of Lectures (in hours per week) :<br>Total of Lectures: | | |
| Unit | Topics | Number of Lectures |
| I | **Origin of social thinking :**<br><br>1. Explanation of social thinking in Indian background.<br>2. Renaissance.<br>3. Economic Background of Sociological Thinking.<br>4. Historical Background of Sociological Thinking.<br>**Key Words -** Sociological Thinking, Economic Background, Historical Background, Renaissance. | 18 |
| II | **Major prpounders of sociology : Introduction & Contribution**<br><br>1. August Comte : Concept of Sociology. The Law of three Stages of Thinking.<br>2. Emile Durkheim : Social Fact, theory of Suicide.<br>3. Herbert Spencer : Theory of social evolution,<br>**Key words –** Social Fact, Suicide, social evolution. | 18 |
| III | **Major Sociological Thinkers: Introduction & Contribution**<br><br>1. Karl Marks: Theory of Surplus Value, Theory of Dialectical Materialism.<br>2. Max Weber: Theory of Ideal Type, Theory of Social Action.<br>3. Talcott Parsons: Concept of Social System, Theory of Social Action.<br>**Key Words –** Surplus Value, Dialectical Materialism, Social Action, Social System. | 18 |
| IV | **Leading Indian Sociologist : Introduction & Contribution**<br><br>1. Radhakamal Mukherjee: Personality, Society and Values, Indian Culture and Civilization.<br>2. Irawati karwey :kinship Organization in India.<br>3. Yogendra Singh: Modernization of Indian Tradition's.<br>**Key Words –** Personality, Values, Culture, Kinship Traditions. | 18 |

(Dr. M. Bajpai)

| | | |
|---|---|---|
| V | **Prominent Indian social thinker : Introduction & Contribution**<br><br>1. Mohandas Karamchand Gandhi: Concept of Gramswaraj, Theory of Trustiship<br>2. Bhimrao Ambedkar: Social Empowerment.<br>3. Swami Vivekanand: Concept of Nationalism, Concept of Ideal society.<br>4. Jyotiba Phule: Ideological background and social contribution.<br>5. Savitri Bai Phule: Ideological background and social contribution.<br><br>**Key Worlds–**Gramswraj, Trustiship, Social Empowerment, Nationalism, Ideal society. | 18 |

## Part C – Learning Resources

**Text books, Reference Books, Other Sources**

1. Doshi, S.L., (2007) Modern Sociological Thinkers, Rawat Publication Jaipur.
2. Nagla, B.K., (2015) Indian Sociological Thought, Rawat Publication Jaipur.
3. Rao Shankar, C. N., (2019) Principal of Sociology, S Chand and Company Delhi.
4. Rawat, H. K., (2009) Sociological Thinkers and Theories, Rawat Publication Jaipur.
5. दोषी, एस.एल. एवं जैन, पी.सी., (2001) प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, रावत पब्लिकेशन जयपुर.
6. मुखर्जी, आर.एन., (2020) समाजशास्त्रीय विचारक, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशनदिल्ली.
7. गुप्ता, एम. एल. एवंशर्मा, डी. डी., (2022) सामाजिक विचारक, साहित्य भवन प्रकाशन आगरा.
8. सुराणा, पुष्पेंद्र, (1999) सामाजिक विचारक, राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर.
9. Foundations of Sociological Thoughts, Sadhana Gokhale, Nirali Prakashan
10. Sociological Thought From comte to Sorokin, Francis abraham & john H. Morgan. Wyndham Hall press.

**Suggestive digital platforms :**

https://nptel.ac.in/
https://swayam.gov.in/explorer
**https://rb.gy/c3ire9**
**https://rb.gy/fs86yi**
www.eshikash.mp.gov.in

**Suggested equivalent Online Courses :**

IGNOU, UGC, ePGPathshala& Other centrally /state operated Universities.
MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad

## Part D : Assessment and Evaluation ( Theory )

| | |
|---|---|
| Maximum Marks : | 100 |
| Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : | 30 |
| University Exam (UE) : | 70 |

| | | |
|---|---|---|
| Internal Assessment :<br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | Class Test | |
| | Assignment/ Presentation | |
| | Total Marks | 30 |
| External Assessment :<br>University Exam<br>Time : 3.00 Hours | Section (A) : Objective Type Question<br>Section (B) : Short Type Questions<br>Section (C) : Long Questions | Total Marks : 70 |

(Dr. M. Bajpai)

<table>
<tr><td colspan="4">भाग ब- परिचय</td></tr>
<tr><td colspan="2">कार्यक्रम: उपाधि पाठ्यक्रम</td><td>कक्षा: बी.ए.</td><td>वर्ष : तृतीय   सत्र : 2023-2024</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय: समाजशास्त्र</td></tr>
<tr><td>1</td><td>पाठ्यक्रम का कोड</td><td colspan="2">A3-SOCI3D</td></tr>
<tr><td>2</td><td>पाठ्यक्रम का शीर्षक</td><td colspan="2">'समाजशास्त्रीय चिन्तन का आधार'</td></tr>
<tr><td>3</td><td>पाठ्यक्रम का प्रकार :<br>(कोरकोर्स/ इलेक्टिव/<br>जेनेरिक इलेक्टिव/<br>वोकेशनल )</td><td colspan="2">डिसीप्लेन स्पेसिफिक इलेक्टिव<br>समूह ग्रुप 'ब' पेपर – प्रथम</td></tr>
<tr><td>4</td><td>पूर्वापेक्षा (Prerequisite)<br>(यदि कोई हो)</td><td colspan="2">यह पाठ्यक्रम स्नातक तृतीय वर्ष के उन विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने मुख्य विषय के रूप में समाजशास्त्र विषय का चयन किया है।</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)</td><td colspan="2">इस प्रश्न-पत्र को पूर्ण करने बाद विद्यार्थी समझ सकेंगे:-<br>1. समाजशास्त्रीय चिन्तन के मूल पाठ को समझ सकेंगे।<br>2. वे विभिन्न विद्वानों के सैद्धांतिक तर्क का आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होगें।<br>3. व्यावहारिक दुनिया में सामाजिक घटना को समझने के लिए विद्यार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांतों को लागू करने में सक्षम होंगे।<br>4. यह पाठ्यक्रम भारतीय समाज, संस्कृति एवं परम्पराओं की वैज्ञानिक एवं गहन तार्किक समझ विद्यार्थी में विकसित करेगा।</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>6</td><td>क्रेडिटमान</td><td colspan="2">सैद्धांतिक – 6</td></tr>
<tr><td>7</td><td>कुल अंक</td><td>अधिकतम अंक: 30+70</td><td>न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35</td></tr>
<tr><td colspan="4">भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु</td></tr>
<tr><td colspan="4">व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):<br>कुल व्याख्यानों की संख्या:</td></tr>
</table>

| इकाई | विषय | व्याख्यान की संख्या |
|---|---|---|
| I | **समाजशास्त्रीय चिंतन की उत्पत्ति :**<br>1. भारतीय पृष्ठभूमि में सामाजिक चिंतन की व्याख्या<br>2. पुनर्जागरण काल<br>3. समाजशास्त्रीय चिंतन की आर्थिक पृष्ठभूमि<br>4. समाजशास्त्रीय चिंतन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि<br>**सार बिन्दु :** समाजशास्त्रीय चिंतन, आर्थिक पृष्ठभूमि, ऐतिहासक | 18 |

(Dr M. Bajpai)

| | | |
|---|---|---|
| | पृष्ठभूमि, पुनर्जागरण काल। | |
| II | **प्रमुख समाजशास्त्रीय प्रतिपादक : परिचय एवं योगदान**<br>1. अगस्त कॉम्ट : समाजशास्त्र की अवधारणा, चिंतन के तीन स्तरों का नियम।<br>2. इमाईल दुर्खीम : सामाजिक तथ्य, आत्महत्या का सिद्धांत ।<br>3. हरबर्ट स्पेंसर : सामाजिक उद्विकास का सिद्धांत।<br>**सार बिन्दु :** सामाजिक तथ्य, उद्विकास, सामाजिक उद्विकास। | 18 |
| III | **प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक : परिचय एवं योगदान**<br>1. कार्ल मार्क्स : अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत, द्वंदात्मक भौतिकवाद का सिद्धांत।<br>2. मैक्स वेबर : आदर्श प्रारूप का सिद्धांत, सामाजिक क्रिया का सिद्धांत।<br>3. टॉलकाट पारसन्स: सामाजिक व्यवस्था की अवधारणा, सामाजिक क्रिया का सिद्धांत।<br>**सार बिन्दु :** अतिरिक्त मूल्य, द्वंदात्मक भौतिकवाद, आदर्श प्रारूप,सामाजिक क्रिया, सामाजिक व्यवस्था। | 18 |
| IV | **अग्रणी भारतीय समाजशास्त्री : परिचय एवं योगदान**<br>1. राधा कमल मुखर्जी : व्यक्तित्व, समाज एवं मूल्य, भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता।<br>2. इरावती कर्वे : भारत में नातेदारी संगठन ।<br>3. योगेंद्र सिंह : भारतीय परंपराओं का आधुनिकीकरण।<br>**सार बिन्दु :** व्यक्तित्व, भारतीय संस्कति, नातेदारी संगठन, आधुनिकीकरण। | 18 |
| V | **प्रमुख भारतीय सामाजिक चिंतक : परिचय एवं योगदान**<br>1. मोहनदास करमचंद गांधी : ग्राम स्वराज की अवधारणा, संरक्षकता का सिद्धांत।<br>2. भीमराव अंबेडकर : सामाजिक सशक्तिकरण।<br>3. स्वामी विवेकानंद : राष्ट्रवाद की अवधारणा, आदर्श समाज की अवधारणा।<br>4. ज्योतिबा फुले : वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक योगदान।<br>5. सावित्री बाई फुले : वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक योगदान।<br>**सार बिन्दु :** ग्राम स्वराज, संरक्षकता, सामाजिक सशक्तिकरण, राष्ट्रवाद, आदर्श समाज। | 18 |

**भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :


1. Doshi, S.L., (2007) Modern Sociological Thinkers, Rawat Publication Jaipur.
2. Nagla, B.K., (2015) Indian Sociological Thought, Rawat Publication Jaipur.
3. Rao Shankar, C. N., (2019) Principal of Sociology, S Chand and Company


(Dr. M. Bajpai)

Delhi.
4. Rawat, H. K., (2009) Sociological Thinkers and Theories, Rawat Publication Jaipur.
5. दोषी, एस.एल. एवंजैन, पी.सी., (2001) प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, रावत पब्लिकेशन जयपुर.
6. मुखर्जी, आर.एन., (2020) समाजशास्त्रीय विचारक, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन दिल्ली.
7. गुप्ता, एम. एल. एवंशर्मा, डी. डी., (2022) सामाजिक विचारक, साहित्य भवन प्रकाशन आगरा
8. सुराणा, पुष्पेंद्र, (1999) सामाजिक विचारक, राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर
9. Foundations of Sociological Thoughts, Sadhana Gokhale, Nirali Prakashan
10. Sociological Thought From comte to Sorokin, Francis abraham & john H. Morgan. Wyndham Hall press.

**Suggestive digital platforms :**

https://nptel.ac.in/
https://swayam.gov.in/explorer
**https://rb.gy/c3ire9**
**https://rb.gy/fs86yi**
www.eshikash.mp.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

https://nptel.ac.in/

https://swayam.gov.in/explorer

IGNOU, UGC, ePGPathshala& other centrally / state operated Universities.

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द- अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम मअंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

| | | |
|---|---|---|
| आंतरिक मूल्यांकन:<br>सतत व्यापक मूल्यांकन<br>(CCE): | क्लासटेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | कुलअंक : 30 |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा:<br>समय- 03.00 घंटे | अनुभाग (अ): वस्तुनिष्ठ प्रश्न<br>अनुभाग (ब): वस्तुनिष्ठ प्रश्न<br>अनुभाग (स): वस्तुनिष्ठ प्रश्न | कुलअंक 70 |

कोईटिप्पणी/सुझाव:

Bajpai
(Dr. M. Bajpai)

Group 'B' Paper II

| Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Degree Course | Class: B.A. | Year: III | Session:2023-2024 |
| Subject: Sociology | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | Course Code | A3-SOCI4D | |
| 2 | Course Title | Crime and Society | |
| 3 | Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/ ....) | Discipline Specific Elective Group 'B' Paper II | |
| 4 | Pre-requisite(if any) | This is an elective course and can be opted by all B.A III students with Sociology as one of the core subject | |
| 5 | Course Learning outcomes (CLO) | By this curriculum student will successfully to gain the following knowledge -<br>1. Major outcome of this course will make the students to discover and analyze the fundamental knowledge of crime, criminals and the scientific and logical understanding about the causes of crime and remove the fallacy related with these.<br>2. This syllabus will be helpful to aware the students about the new patterns of crime such as organized, professional and cyber crime.<br>3. The knowledge of constitutional provisions of crime, rules of compensation and justice for victims will prove important for students.<br>4. The new provisions related with punishment, prison and prisoners will make the thinking of students more scientific.<br>5. This course will provide students a west area of job opportunities in government, research, medical, legal, social sector and consultancy etc. | |
| 6 | Credit Value | Theory– 6 | |
| 7 | Total Marks | Max.Marks:30+70 | Min. Passing Marks:35 |

Bajpai
(Dr. M. Bajpai)

| Part B-Content of the Course | | |
|---|---|---|
| **Total No.of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):6 hours per week**<br>**L-T-P:6-0-0** | | |
| **Unit** | **Topics** | **No. of Lectures** |
| I | **1. Crime and Criminals:-**<br>**1.1** Meaning definition and characteristics<br>1.2 Classification of crime<br>1.3 Tort, Sin, Vico and Immorality<br>1.4 Causes of crime in India<br>**2. Major schools of crime causation -**<br>1.1 Classical school<br>2.2 Geographical school<br>2.3 Typological school<br>2.4 Sociological school<br>**3. Prevention and control of crime in India -**<br>3.1 Meaning and objectives<br>3.2 Main measures for prevention of crime<br>3.3 Role of Police in crime control<br>3.4 Compensation rules for crime victims. | 18 |
| **Keywords :**Crime, Victim Tort, Sin, Immorality, schools of crime, Prevention of crime, Compensation. | | |
| II | **1. Changing Profile of Crime -**<br>1.1 Professional crime and organised crime<br>1.2 White Collor crime<br>1.3 Cyber crime<br>**2. Crime against children and women -**<br>2.1 Types and causes<br>2.2 Measures for eradication<br>2.3 Legislative measures for crime against children and women | 18 |
| **Key words:** Professional and Organised Crime, White Collar Crime, Cyber crime. | | |
| III | **1. Juvenile delinquency -**<br>1.1 Juvenile Delinquency meaning, definition.<br>1.2 Causes of Juvenile Delinquency<br>1.3 Prevention and remedies to Juvenile Delinquency<br>1.4 Related Reform institutions in India<br>1.5 Juvenile Court<br>**2. Juvenile Vagrancy -**<br>2.1 Meaning, definition and causes<br>2.2 Measures for eradication of the problem<br>**3. Juvenile Truancy -**<br>3.1 Meaning, definition and causes<br>3.2 Difference between Truancy, Vagrancy and Delinquency. | 18 |
| **Keywords -** Juvenile Delinquency, Juvenile Court, Juvenile Vagrancy, Juvenile truancy. | | |

(Dr. M. Bajpai)

| | | |
|---|---|---|
| IV | **1. Punishment -**<br>1.1 Punishment meaning, definition and objectives<br>1.2 Theories of punishment<br>1.3 Capital punishment<br>**2. Penology -**<br>2.1 Meaning definition<br>2.2 Scope of penology<br>**3. Probation and Parole -**<br>2.1 Meaning, definition<br>2.2 Objectives, eligibility and conditions<br>2.3 Advantages and disadvantages | 18 |
| **Key words:** Punishment Theories of Punishment, Capital Punishment, Penology, Probation Parole. | | |
| V | **1. Correctional Institution in India -**<br>1. Correctional Programs : Meaning and Characteristics<br>2. Prison<br>2.1 Meaning, Definition and Objectives<br>2.2 Historical background of prison in India<br>2.3 Human Rights and management of prison<br>2.4 Prison reforms<br>3. Open Prison : Meaning, Definition and Objectives<br>4. Prisoners Welfare Programs | 18 |

**Keywords/Tags:** Correctional Program, Prison, Human Rights, Prison Reforms, Open Prison Welfare Programs.

**Part C-Learning Resources**

**Text Books, Reference Books, Other resources**

**Suggested Readings:**

- अपराधशास्त्र  गणेश पाण्डेय -, राधा पब्लिकेशन्स
- अपराधशास्त्र एवं दण्डशास्त्र डा बसंतीलाल बावेल -, सुविधा ला हाउस प्रा.लि.
- विवेचनात्मक अपराधशास्त्र मुकेश आहुजा रावत पब्लिकेशन राम आहूजा एवं -
- अपराधशास्त्र, दण्डशास्त्र एवं पीड़ितशास्त्र, इण्डिया पब्लिशिंग कंपनी पब्लिकेशन डिवीजन
- दण्डशास्त्र अपराधियों का उपचार एवं पीड़ित शास्त्र, अमर लॉ पब्लिकेशन, इंदौर
- अपराध, दण्ड प्रशासन एवं प्रपीड़न शास्त्र, डॉ ना.वि. परांजपे, सेन्ट्रल लॉ पब्लिकेशंस
- सामूहिक हिंसा एवं दाण्डिक न्याय पद्यति, डॉ. फरहत खान, अमर लॉ पब्लिकेशन
- मादक द्रव्य व्यसन, आपराधिक न्याय और मानव अधिकार, डॉ. फरहत खान एवं आशिष रावल अमर लॉ पब्लिकेशन
- **Penology: Treatment of Offenders & Victimology ( Hindi) For LLM Students by Dr. Farhat Khan, Amar Law Publication's**
- **Criminology & Penology Prof. N.V.  Paranjape , Central Law Publications**

(Dr. M. Bajpai)

Suggestive digital platforms web link

shorturl.at/abiK5

shorturl.at/GMRX2

https://rb.gy/ctvx2o

https://rb.gy/xnnzel

https://rb.gy/pzddpu

www.eshikash.mp.gov.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad

https://rb.gy/lbwran

**Part D-Assessment and Evaluation**

**Maximum Marks :100**

**Continuous Comprehensive Evaluation**

**(CCE) :30 University Exam (UE) :70**

**Time :03.00 Hours**

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment :** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | Class Test (**Descriptive/Objective Type**) | |
| | Assignment/Presentation/ Group Work/Seminar/ Power Point Presentation | |
| | **Total** | **30** |
| | Section(A): Objective Type Question<br>Section(B):Short Questions<br>Section(C):Long Questions | |
| | **Total** | **70** |

(Dr. M. Bajpai)

Group 'B' Paper II

| भाग अ - परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम: उपाधि पाठ्यक्रम | कक्षा: बी.ए. | वर्ष: तृतीय | सत्र: 2023-24 |
| विषय: समाजशास्त्र | | | |

| | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A3-SOCI4D |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | अपराध और समाज |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल ) | डिसीप्लेन स्पेसिफिक इलेक्टिव<br>समूह 'ब'प्रश्न-पत्र द्वितीय |
| 4 | पूर्व-अपेक्षा:(यदि कोई हो) | यह एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम है, जिसका चयन बीए तृतीय वर्ष के वे सभी विद्यार्थी कर सकते हैं, जिनका समाजशास्त्र मुख्य विषय है। |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (सीएलओ) | इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थी निम्नलिखित सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करने में सफल होंगे-<br>1. इस पाठ्यक्रम की मुख्य परिलब्धि विद्यार्थियों के मध्य अपराध, अपराधी एवं अपराध के कारणों की वैज्ञानिक एवं तार्किक समझ पैदा करना एवं इस संबंधी पूर्व भ्रांतियों को दूर करना है।<br>2. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को संगठित, व्यवसायिक, श्वेतपोश अपराध एवं साइबर अपराध जैसे नये अपराधों के प्रति सचेत करने में सफल होगा।<br>3. अपराध हेतु संवेधानिक प्रावधानों, क्षतिपूर्ति के नियम एवं पीड़ितों के प्रति न्याय संबंधी ज्ञान विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण होगा।<br>4. दण्ड, कैदी एवं बंदीगृह संबंधी नये प्रावधान विद्यार्थियों की सोच को वैज्ञानिक बनाएंगी।<br>5. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को एक बृहद क्षेत्र जैसे शासकीय सेवा, शोध क्षेत्र, चिकित्सा, परामर्श एवं सामाजिक क्षेत्र में रोजगार के प्रचुर अवसर उपलब्ध करायेगा। |
| 6 | क्रेडिट मान | 06 |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक:30+70 ; न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35 |

Bajpai

(Dr M. Bajpai)

<table>
<tr><td colspan="3">भाग ब: - पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु</td></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):<br>L-T-P:</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td>विषय</td><td>No. of Lectures</td></tr>
<tr><td>I</td><td>1 अपराध एवं अपराधी<br>1.1 अपराधः अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं<br>1.2 अपराध का वर्गीकरण<br>1.3 दुष्कृति, पाप, दुराचारएवं अनैतिकता<br>1.4 भारत में अपराध के कारण<br>2 अपराध के कारण संबंधी प्रमुख सम्प्रदाय<br>2.1 शास्त्रीय सम्प्रदाय<br>2.2 भौगोलिक सम्प्रदाय<br>2.3 प्रारूपवादी सम्प्रदाय<br>2.4 समाजशास्त्रीय सम्प्रदाय<br>3 भारत में अपराध निवारण एवं नियंत्रण<br>3.1 अर्थ एवं उद्देश्य<br>3.2 अपराध निवारण के मुख्य उपाय<br>3.3 अपराध नियंत्रण में पुलिस की भूमिका<br>3.4अपराध पीडित हेतु क्षतिपूर्ति प्रावधान</td><td>18</td></tr>
<tr><td colspan="3">सार बिन्दु: अपराध, दुष्कृति, पाप, दुराचार, अपराध के प्रमुख सम्प्रदाय, अपराध निवारण, पीडित, क्षतिपूर्ति प्रावधान</td></tr>
<tr><td>II</td><td>1 अपराध के बदलते प्रारूप:<br>1.1 पेशेवर अपराध एवं संगठित अपराध<br>1.2 श्वेत वसन अपराध<br>1.3 सायबर अपराध<br>2 बच्चों एवं महिलाओं के प्रति अपराध:<br>2.1 प्रकार एवं कारण<br>2.2 उन्मूलन के उपाय<br>2.3बच्चों एवं महिलाओं के विरुद्ध अपराध हेतु वैधानिक प्रावधान</td><td>1</td></tr>
<tr><td colspan="3">सार बिन्दु: पेशेवर एवं संगठित अपराध, श्वेतवसन अपराध, सायबर अपराध.</td></tr>
</table>

Bajpai

(Dr. M. Bajpai)

| | | |
|---|---|---|
| III | **1. बाल अपराध**<br>1.1 बाल अपराध, अर्थ, परिभाषा एवं वर्गीकरण<br>1.2 बाल अपराध के कारण<br>1.3 बाल अपराध का निवारण एवं उपचार<br>1.4 भारत में संबंधित सुधारात्मक संस्थाएं<br>1.5 किशोर न्यायालय<br>**2. बाल आवारापन**<br>2.1 अर्थ, परिभाषा एवं कारण<br>2.2 समस्या उन्मूलन के उपाय<br>**3. बाल पलायनवादिता**<br>3.1 अर्थ, परिभाषा एंव कारण<br>3.2 बाल आवारापन, बाल पलायनवादिता एवं बाल अपराध में अंतर | 18 |
| सार विन्दु: बाल अपराध, किशोर न्यायालय, बाल आवारापन, बाल पलायन वादिता | | |
| IV | **1 दण्ड**<br>1.1 दण्ड, अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य<br>1.2 दण्ड के सिद्धांत<br>1.3 मृत्युदण्ड<br>**2 दण्डशास्त्र**<br>2.1 अर्थ एवं परिभाषा<br>2.2 दण्डशास्त्र का विषयक्षेत्र<br>**3 परिवीक्षा एवं कारावकाश (पैरोल)**<br>3.1 अर्थ एवं परिभाषा<br>3.2 उद्देश्य, योग्यता एवं शर्तें<br>3.3 लाभ एवं हानि | 18 |
| सार विन्दु: दण्ड, दण्ड के सिद्धांत, मृत्युदण्ड, दण्डशास्त्र, परिवीक्षा, कारावकाश | | |

(Dr. M. Bajpai)

| | | |
|---|---|---|
| V | भारत में सुधारात्मक संस्थाएं<br>1 सुधारात्मक कार्यक्रम:<br>अर्थ एवं विशेषताएं<br>2 बंदीगृह:<br>2.1 अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य<br>2.2 भारत में बंदीगृह का इतिहास<br>2.3 मानवाधिकार एवं बंदीगृह प्रबंधन<br>2.4 बंदीगृह सुधार<br>3 खुले बंदीगृह: अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य<br>4 बंदी कल्याण कार्यक्रम: | 18 |

सार बिन्दु: सुधारात्मक कार्यक्रम, बंदीगृह, मानवाधिकार, बंदीगृह सुधार, खुले बंदीगृह, बंदीकल्याण कार्यक्रम

**भाग स:- अनुशंषित अध्ययन संसाधन**

पाठ्य पुस्तकें/संदर्भ पुस्तकें/अन्य संसाधन

**Suggested Readings:**

- अपराधशास्त्र गणेश पाण्डेय .डा -, राधा पब्लिकेशन्स
- अपराधशास्त्र एवं दण्डशास्त्र डा बसंतीलाल बाबेल -, सुविधा ला हाउस प्रा.लि.
- विवेचनात्मक अपराधशास्त्र पब्लिकेशन राम आहूजा एवं मुकेश आहुजा रावत -
- अपराधशास्त्र, दण्डशास्त्र एवं पीड़ितशास्त्र, इण्डिया पब्लिशिंग कंपनी पब्लिकेशन डिवीजन
- दण्डशास्त्र अपराधियों का उपचार एवं पीड़ित शास्त्र, अगर लॉ पब्लिकेशन, इंदौर
- अपराध, दण्ड प्रशासन एवं प्रपीड़न शास्त्र, डॉ ना.वि. परांजपे, सेन्ट्रल लॉ पब्लिकेशंस
- सामूहिक हिंसा एवं दाण्डिक न्याय पद्यति, डॉ. फारान खान, अमर लॉ पब्लिकेशन
- मादक द्रव्य व्यसन, आपराधिक न्याय और मानव अधिकार, डॉ. फारान खान एवं आशिप् रावल अमर लॉ पब्लिकेशन
- **Penology: Treatment of Offenders & Victimology ( Hindi) For LLM Students by Dr. Farhat Khan, Amar Law Publication's**
- **Criminology & Penology Prof. N.V. Paranjape , Central Law Publications**

Suggestive digital platforms web link

shorturl.at/abiK5

shorturl.at/GMRX2

https://rb.gy/ctvx2o

https://rb.gy/xnnzel

https://rb.gy/pzddpu

www.eshikash.mp.gov.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad

https://rb.gy/lbwran

Bajpai
(Dr M. Bajpai)

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

| | | |
|---|---|---|
| आंतरिकमूल्यांकन :<br>सतत व्यापक मूल्यांकन<br>(CCE) : | क्लासटेस्ट<br>असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | कुलअंक : 30 |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीनपरीक्षा :<br>समय- 3.00 घंटे | अनुभाग (अ) : वस्तुनिष्ठप्रश्न<br>अनुभाग (ब) : लघुउत्तरीयप्रश्न<br>अनुभाग (स) : दीर्घउत्तरीयप्रश्न | कुलअंक : 70 |

कोईटिप्पणी/सुझाव :

Any remarks/ suggestions:

Bajpai
(Dr. M. Bajpai)

<table>
<tr><th colspan="4">Part A Introduction</th></tr>
<tr><td>Program: Degree Course</td><td>Class: B.A.</td><td>Year: III</td><td>Session:2023-2024</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject: Sociology</td></tr>
<tr><td>1</td><td>Course Code</td><td colspan="2">A3-SOCI2T</td></tr>
<tr><td>2</td><td>Course Title</td><td colspan="2">Sociology of Indian Tribes</td></tr>
<tr><td>3</td><td>Course Type(Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/ ....)</td><td colspan="2">Minor/Elective</td></tr>
<tr><td>4</td><td>Pre-requisite (if any)</td><td colspan="2">This is an elective course and can be opted by all B.A III students except those who have choose sociology as major subject.</td></tr>
<tr><td>5</td><td>Course Learning out comes (CLO)</td><td colspan="2">Present syllabus introduces the students about different known and unknown part of tribal society -<br>1. This syllabus will provide the scientific knowledge and demography of tribes and scheduled tribes.<br>2. Students will be able to understand the socio-cultural specialty of tribal society, their traditional economy and political organization.<br>3. Study of tribal problems. will be able to develop the feeling of co-existence in students and will turn their thinking more logical and scientific.<br>4. Study of this paper will help the students to succeed in different competitive examination and interviews.<br>5. This course will provide students a vast area of job opportunities in the field of government, private, research and NGO's sector etc.</td></tr>
<tr><td>6</td><td>CreditValue</td><td colspan="2">Theory- 6</td></tr>
<tr><td>7</td><td>Total Marks</td><td>Max. Marks:30+70</td><td>Min. Passing Marks:35</td></tr>
</table>

(Dr. M. Bajpai)

| Part B-Content of the Course | | |
|---|---|---|
| **Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):**<br>**L-T-P:** | | |
| **Unit** | **Topics** | **No. of Lectures** |
| I | **1 Introductory description of tribes :** | 18 |
| | 1.1 Tribe and schedule tribe : meaning, definition and characteristics<br>1.2 Difference between tribe and scheduled tribe<br>1.3 Tribal demography and classification<br>• Geographical<br>• Linguistic<br>• Economic<br>• Racial | |
| **Keywords :** Tribe and Scheduled Tribe, Tribal Classification. | | |
| II | **1. Tribal society : Socio-cultural Vista** | 18 |
| | 1.1 Tribal family<br>1.2 Tribal marriage<br>1.3 Tribal kinship system<br>1.4 Changing profile of tribal women | |
| **Keywords :** Tribal family, Tribal marriage, Tribal kinship, Changing profile of tribal women. | | |
| III | **1. Tribal Economic and Political Organization :** | 18 |
| | 1.1 Characteristics of tribal economy<br>1.2 Forms of tribal economy<br>• Hunting and food gathering<br>• Animal husbandry<br>• Agriculture<br>• Forest produce and Haat Bajar<br>1.3 Changes in tribal economy and responsible factors.<br>**2.Traditional Tribal Political Organization**<br>2.1 73rd constitutional Amendment and present tribal political organization. | |
| **Keywords -** Tribal economy, Form of economy, Factor for change in economy, Traditional political organization, 73rd Amendment Act. | | |
| IV | Tribal Problems : Factors and Resolution | 18 |
| | 1. Illiteracy and Unemployment<br>2. Poverty and Datedness<br>3. Malnutrition and Health problem<br>4. Displacement and Migration<br>5. Major tribal movements<br>6. Constitutional provisions for Tribal development<br>7. Welfare program run by Government and their evaluation | |
| **Keywords:** Illiteracy and unemployment, Poverty and Datedness Malnutrition, Displacement and migration, Major Tribal movements. | | |

(Dr. M. Bajpai)

| V | Major Tribes of Madhya Pradesh : Economic, Political and Social Organization | 18 |
|---|---|---|
| | 1. Gond<br>2. Bheel<br>3. Bhariya<br>4. Sahariya<br>5. Korku<br>6. Baiga | |

**Keywords:** Major Tribes of Madhya Pradesh, Gond, Bheel, Bharia, Sahariya, Korku, Baiga.

**Part C-Learning Resources**

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. शर्मा श्रीनाथ 'जनतीय समाज का समाजशास्त्र' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।

2. अटल, योगेश एवं सिसोदिया, यतीन्द्रसिंह, आदिवासी भारत, रावत पब्लिकेशंस, जयपुर 2011

3. कांकरिया, प्रेमसिंह, भील क्रांति के प्रणेता मोतीलाल तेजावत, उदयपुर, राजस्थान साहित्य अकादमी, 1985

4. कुमार, अरूण, उदारीकरण, भूमण्डलीकरण एवं दलित, रावत पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2009

5. प्रो. शुक्ल हीरालाल (1997), अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, भोपाल 462003

6. डॉ. शुक्ला महेश, खान मोहम्मद (2010) खैरवार जनजाति, सामाजिक,आर्थिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन , अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस 4831/24 प्रहलाद गली, असांरी रोड, दरियागंज नई दिल्ली ' 110002

7. चंद्रदेशखर यू.पी. (1990) "कर्नाटक जिले में पिछडी जातियों को सामान्य शैक्षणिक अवसर प्राप्त करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम के उपचयोगों का ज्ञान अध्ययन" शोध प्रबंध , शिक्षा विभाग , मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर

8. लक्कमा, (1990) " सास्कृतिक जनजाति और आधुनिकता से संबंधित अनुसूचित जाति और अनु. जनजाति हाई स्कूल की लड़कियों का तुलनात्मक अध्ययन" एम.फिल, शिक्षा शिक्षा विभाग, बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलोर

9. महाजन धर्मवीर, 'जनतीय समाज का समाजशास्त्र' विवेक प्रकाशन के .के. पब्लिकेशंस इलाहाबाद

10. सिंह अनिल कुमार एवं पाण्डेय आनंद कुमार " म.प्र. की आदिम जनजतीय" विवेक प्रकाशन के .के. पब्लिकेशंस इलाहाबाद

11. डॉ हरिशचंन्द्र उप्रेती, " भारतीय जनजतीय" राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर

12. Ferth, Reymond, 1938 "Human Tribes" Tomas national Publication London.

13. Gandhi M.K. 1954 " The Removal of Untouchability" Naveevan Press, Allahabad.

14. Guha, M.K. (ed) "The Tribes of India", Bhartiya Adam Jati Sevek Sangh, New Delhi.

15. Hashain Nadeem 'Tribal India' Department of Anthropology Lucknow Year 2019 New Delhi.

(Dr. M. Bajpai)

| |
|---|
| Suggestive digital platforms web link<br>https://hi.m.wikipedeia.org./wiki/<br>https://hi.m.wikipedeia.org./wiki/<br>https://indiantribalheritage.org/?page_id=7592<br>shorturl.at/moqS7<br>WWW. eshikash.mp.gov.in |
| Suggested equivalent online courses:<br>IGNOU & Other centrally/state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad |
| **Part D-Assessment and Evaluation** |
| **(CCE) : 30 University Exam (UE) :70**<br>**Time : 03.00 Hours** |

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment :** Continuous Comprehensive Evaluation(CCE) | Class Test **(Descriptive/Objective Type_)_** | |
| | Assignment/Presentation/ Group Work/Seminar/ Power Point Presentation | |
| | **Total** | **30** |
| | Section(A):Objective Type Question<br>Section(B): Short Questions<br>Section(C):Long Questions | |
| | **Total** | **70** |

Bajpai
(Dr. M. Bajpai)

| भाग अ–परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम: उपाधि पाठ्यक्रम | कक्षा: बीए | वर्ष: तृतीय | सत्र: 2023-24 |

विषय: समाजशास्त्र

| | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रमका कोड | A3-SOCI2T |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | भारतीय जनजातियों का समाजशास्त्र |
| 3 | **पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल )** | माइनर/इलेक्टिव |
| 4 | पूर्व-अपेक्षा:(यदि कोई हो) | यह एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम है, जिसका चयन बीए तृतीय वर्षके वे सभी विद्यार्थी कर सकते हैं, जिनका समाजशास्त्र मुख्य विषय नहीं है। |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययनकीपरिलब्धियाँ(सीएलओ) | प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को जनजातीय समाज के विभिन्न ज्ञात अज्ञात पहलुओं से अवगत कराएगा-<br>1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम जनजाति एवं अनुसूचित जनजातियों की अवधारणा एवं उनकी जनांकिकी का ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करेगा।<br>2. भारतीय जनजातियों की सामाजिक-सांस्कृतिक विशिष्टता, उनकी अर्थव्यवस्था एवं राजनीतिक संगठन को विद्यार्थी समझ सकेगा।<br>3. जनजातियों की समस्याएं, कारण, संवैधानिक प्रावधान एवं कल्याण कार्यक्रम विद्यार्थियों के अंदर सह-अस्तित्व की भावना का विकास कर उनकी सोच को तार्किक बनाएंगे।<br>4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं साक्षात्कार में सफल होने में विद्यार्थियों की सहायता करेगा।<br>5. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन विद्यार्थियों को शासकीय, अशासकीय एवं स्वैच्छिक संगठनों आदि में रोजगार प्राप्त करने का प्रचुर अवसर उपलब्ध कराएगा। |
| 6 | क्रेडिट मान | 06 |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक:30+70 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35 |

भागब: - पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):

L-T-P:

| इकाई | विषय | No. of Lectures |
|---|---|---|
| I | 1.जनजातियों का परिचयात्मक विवरण: | 18 |
| | 1.1 जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति: अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं | |

(Dr. M. Bajpai)

| | | |
|---|---|---|
| | 1.2 जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति में अंतर<br>1.3 जनजातीय जनांकिकी एवं वर्गीकरण -<br>• भौगोलिक<br>• भाषायी<br>• आर्थिक<br>• प्रजातीय | |
| सार बिन्दु: जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति, जनजातीय वर्गीकरण। | | |
| II | जनजातीय समाज: सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य | 18 |
| | 1.1 जनजातीय परिवार<br>1.2 जनजातीय विवाह<br>1.3 जनजातीय नातेदारी व्यवस्था<br>1.4 जनजातीय महिलाओं की परिवर्तन शील स्थिति | |
| सार बिन्दु: जनजातीय परिवार, जनजातीय विवाह, जनजातीय नातेदारी, जनजातीय महिलाओं की परिवर्तनशील स्थिति | | |
| III | **1. जनजातीय आर्थिक एवं राजनीतिक संगठन:** | 18 |
| | 1.1 जनजातीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं<br>1.2 जनजातीय अर्थव्यवस्था के स्वरुप<br>• शिकार एवं खाद्य संग्रहण<br>• पशुपालन<br>• कृषि<br>• वनोपज एवं हाट बाजार<br>1.3 जनजातीय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन एवं उत्तरदायी कारक<br>**2. परम्परागत जनजातीय राजनीतिक संगठन**<br>2.1 73वां संविधान संशोधन अधिनियम एवं वर्तमान जनजातीय राजनीतिक संगठन | |
| सार बिन्दु: जनजातीय अर्थव्यवस्था, अर्थव्यवस्था के स्वरुप, अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के कारक, परम्परागत राजनीतिक संगठन, 73वां संविधान संशोधन अधिनियम | | |
| IV | **जनजातीय समस्याएं: कारण एवं समाधान** | 18 |
| | 1. अशिक्षा एवं बेरोजगारी<br>2. निर्धनता एवं ऋणग्रस्तता<br>3. कुपोषण एवं स्वास्थ्य संबंधीसमस्याएं<br>4. विस्थापन एवं प्रवास<br>5. प्रमुख जनजातीय आंदोलन<br>6. जनजातीय विकास हेतु संवैधानिक प्रावधान<br>7. शासन द्वारा संचालित कल्याण कार्यक्रम एवं उनका मूल्यांकन | |
| सार बिन्दु: अशिक्षा, बेरोजगारी, निर्धनता, ऋणग्रस्तता, कुपोषण, विस्थापन एवं प्रवास, जनजातीय आंदोलन. | | |

MBajpai

(Dr. M. Bajpai)

Scanned with OKEN Scanner

| | | |
|---|---|---|
| V | मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियां: आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक संगठन | 18 |
| | 1. गोंड<br>2. भील<br>3. भारिया<br>4. सहरिया<br>5. कोरकू<br>6. बैगा | |

सार बिन्दु: मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियां, गोंड, भील, भारिया, सहरिया, कोरकू, बैगा

**भाग स:- अनुशंषित अध्ययन संसाधन**

पाठ्य पुस्तकें/संदर्भ पुस्तकें/अन्य संसाधन

Suggested Readings:

1. शर्मा श्रीनाथ 'जनतीय समाज का समाजशास्त्र' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।

2. अटल, योगेश एवं सिसोदिया, यतीन्द्रसिंह, आदिवासी भारत, रावत पब्लिकेशंस, जयपुर 2011

3. कांकरिया, प्रेमसिंह, भील क्रांति के प्रणेता मोतीलाल तेजावत, उदयपुर, राजस्थान साहित्य अकादमी, 1985

4. कुमार, अरूण, उदारीकरण, भूमण्डलीकरण एवं दलित, रावत पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2009

5. प्रो. शुक्ल हीरालाल (1997), अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, भोपाल 462003

6. डॉ. शुक्ला महेश, खान मोहम्मद (2010) खैरवार जनजाति, सामाजिक,आर्थिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन , अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस 4831/24 प्रहलाद गली, असारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली ' 110002

7. चंद्रदेशखर यू.पी. (1990) "कर्नाटक जिले में पिछड़ी जातियों को सामान्य शैक्षणिक अवसर प्राप्त करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम के उपचयोगों का ज्ञान अध्ययन" शोध प्रबंध , शिक्षा विभाग , मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर

8. लक्कमा, (1990) " सास्कृतिक जनजाति और आधुनिकता से संबंधित अनुसूचित जाति और अनु. जनजाति हाई स्कूल की लड़कियों का तुलनात्मक अध्ययन" एम.फिल, शिक्षा शिक्षा विभाग, बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलोर

9. महाजन धर्मवीर, 'जनतीय समाज का समाजशास्त्र' विवेक प्रकाशन के .के. पब्लिकेशंस इलाहाबाद

10. सिंह अनिल कुमार एवं पाण्डेय आनंद कुमार " म.प्र. की आदिम जनजतीय" विवेक प्रकाशन के .के. पब्लिकेशंस इलाहाबाद

11. डॉ हरिशचंन्द्र उप्रेती, " भारतीय जनजतीय" राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर

12. **Ferth, Reymond, 1938 "Human Tribes" Tomas national Publication London.**

13. **Gandhi M.K. 1954 " The Removal of Untouchability" Naveevan Press, Allahabad.**

14. **Guha, M.K. (ed) "The Tribes of India", Bhartiya Adam Jati Sevek Sangh, New Delhi.**

15. **Hashain Nadeem 'Tribal India' Department of Anthropology Lucknow Year 2019 New Delhi.**

Suggestive digital platforms web link

https://hi.m.wikipedeia.org./wiki/

https://hi.m.wikipedeia.org./wiki/

https://indiantribalheritage.org/?page_id=7592

shorturl.at/moqS7

WWW. eshikash.mp.gov.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

(Dr. M. Bajpai)

Scanned with OKEN Scanner

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

| | | |
|---|---|---|
| आंतरिक मूल्यांकन :<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): | क्लासटेस्ट<br>असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | कुलअंक : 30 |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा :<br>समय- 3.00 घंटे | अनुभाग (अ) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न<br>अनुभाग (ब) : लघु उत्तरीय प्रश्न<br>अनुभाग (स) : दीर्घउत्तरीय प्रश्न | कुलअंक : 70 |

कोई टिप्पणी/सुझाव :

Bajpai

(Dr. M. Bajpai)